RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 203 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 13 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश का कहर, 14 लोगों की मौत

ललितपुर-झांसी से लखनऊ-वाराणसी तक बढ़ा जलस्तर

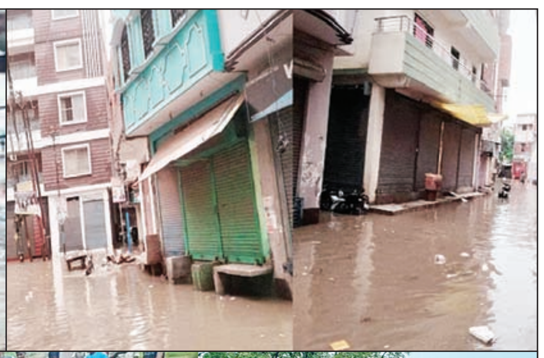

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मानसून ने विकराल रूप ले लिया है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग झुलस गए हैं या घायल हैं। ललितपुर, झांसी, चित्रकूट, वाराणसी, लखनऊ और कानपुर जैसे इलाकों में लगातार बारिश के चलते नदियों और बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिससे कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है।

नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के कारण कई बांधों के गेट खोल दिए गए हैं, जिससे निचले इलाकों में पानी भरने और बाढ़ आने का खतरा और बढ़ गया है। झांसी में पथराई नदी उफान पर है, जहां लगभग 300 परिवार अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं। लखनऊ में एक युवक उफनते नाले में बह गया, जिसकी तलाश जारी है।

भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं ने कहर बरपाया है। लखनऊ में एक व्यक्ति की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई।

भदोही में खेत में धान की रोपाई कर रही एक महिला और एक किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। हमीरपुर और बांदा में भी बिजली गिरने से दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कन्नौज में बिजली गिरने से पांच महिलाएं झुलस गईं। चित्रकूट में बारिश के कारण एक घर ढहने से दो लोगों की मौत हुई। हापुड़, आजमगढ़ और जौनपुर से भी एक-एक मौत की सूचना है।

पूर्वांचल में सबसे अधिक नुकसान

पूर्वांचल क्षेत्र के जिलों में बारिश के बीच बिजली गिरने की घटनाएं सबसे अधिक देखने को मिलीं। भदोही, चंदौली, आजमगढ़ और जौनपुर में शनिवार को पांच लोगों की मौत हुई और आठ अन्य झुलस गए। भदोही के समधा डीह गांव में धान की रोपाई कर रहे मजदूरों पर बिजली गिरने से सुघरा देवी (45), रीता देवी (40), कैलाश यादव (17) और अंतिमा देवी (15) झुलस गए।

विधायक पंकज सिंह ने सेक्टरों में लगाया जनता दरबार, सुनीं लोगों की समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने आज नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में जनता दरबार लगाकर स्थानीय निवासियों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

विधायक पंकज सिंह ने आज सेक्टर-15, सेक्टर-12, सेक्टर-99 और सेक्टर-105 के बारातघरों में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों तथा आम नागरिकों से मुलाकात की और उनकी विभिन्न समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना।

जनता दरबार के दौरान लोगों ने जल निकासी, सड़क मरम्मत, पार्कों की देखरेख, सीवर लाइनों की स्थिति, बिजली आपूर्ति और सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाया, जिस पर पंकज सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी (किसान मोर्चा) अमित त्यागी, पुनीत शुक्ला, राधाकृष्ण गर्ग, धीरज कुमार, धर्मवीर शर्मा, अनिल चौहान, महेश गुप्ता, सुभाष शर्मा, पूनम सिंह, विपुल शर्मा, गिरिजा सिंह, बबलू यादव, मनोज चौहान, भूपेश चौधरी, रामनिवास यादव, सत्यनारायण महावर, राम मेहर कौशिक, डिंपल आनंद, करतार चौहान, राहुल शर्मा, अमित नागपाल, देवेंद्र भदौरिया समेत भाजपा के कई पदाधिकारी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने राज्यसभा के लिए नामित चारों हस्तियों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्यसभा के लिए नामित चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शुभकामनाएं दी हैं। ये चारों नामांकन संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के तहत किए गए हैं।

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, 26/11 मुंबई आतंकी हमले के विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम, केरल के सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा नेता सी. सदानंदन मस्ते, तथा इतिहासकार और शिक्षाविद् डॉ. मीनाक्षी जैन।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इन सभी को बधाई दी और उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ये राज्यसभा में देश के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

उज्ज्वल निकम पर कहा कि उनका विधायी क्षेत्र और संविधान के प्रति समर्पण प्रशंसनीय है। वह न केवल एक सफल वकील रहे, बल्कि न्याय की प्राप्ति के लिए अग्रणी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह एक श्रेष्ठ कूटनीतिज्ञ और रणनीतिक विचारक हैं। भारत की विदेश नीति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका रही है।

मोदी ने कहा कि उनका जीवन साहस और अन्याय के सामने न झुकने की मिसाल है। समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। वह एक कुशल शोधकर्ता और इतिहासकार हैं। उनका शैक्षणिक योगदान राज्यसभा में हमारे अकादमिक दृष्टिकोण को समृद्ध करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, ये नियुक्तियां राज्यसभा के उन चार रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए की गई हैं, जो पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली हुए थे।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत ऑल इंडिया फाउंडेशन ने निकाली साइकिल रैली

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर 15ए, नोएडा ने ऑल इंडिया एंड पॉलिसी प्रॉस्पेक्टिव फाउंडेशन के सहयोग से स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत एक साइकिल रैली का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देना रहा। इस रैली में स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। साइकिल रैली सेक्टर के विभिन्न मार्गों से होकर गुज़री, जिसमें बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भी सक्रिय भागीदारी की।

आरडब्ल्यूए के महासचिव राजेश खन्ना ने कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए ऑल इंडिया फाउंडेशन के डायरेक्टर, प्रेसीडेंट, सेक्रेटरी, अन्य गणमान्य अतिथियों, सेक्टरवासियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

उन्होंने कहा स्वच्छता केवल अभियान नहीं, यह जीवनशैली है। हम सभी का कर्तव्य है कि अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाएं। यह रैली केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि जनजागरण की दिशा में एक मजबूत कदम है। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में स्वच्छता से संबंधित स्लोगन वाली तख्तियां और झंडे लिए हुए थे, जिन पर 'स्वच्छ नोएडा, स्वस्थ भारत', 'हर कदम स्वच्छता की ओर' जैसे संदेश अंकित थे। रैली समाप्त होने पर सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने ना केवल पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति नागरिकों की जागरूकता को दर्शाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि जनसहयोग से बड़े बदलाव संभव हैं। यह रैली स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में से एक प्रेरक उदाहरण बन गई है।

श्रावण मास पर हिंदू युवा वाहिनी ने भक्ति-सेवा युक्त धार्मिक का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। आज श्रावण मास के पावन अवसर पर हिंदू युवा वाहिनी, नोएडा महानगर द्वारा एक विशेष धार्मिक आयोजन का आयोजन सेक्टर-46 स्थित मंदिर परिसर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस पवित्र आयोजन का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष श्री टी.सी. गौड़ के सौजन्य से किया गया, जिसमें भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

आयोजन की शुरुआत सुबह 9.00 बजे हवन से हुई, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने सपरिवार भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में हिंदू युवा वाहिनी के वरिष्ठ पदाधिकारी, संगठन के सदस्यगण तथा क्षेत्र के श्रद्धालुजन सपरिवार शामिल हुए।

महानगर अध्यक्ष श्री टी.सी. गौड़ ने कहा कि श्रावण मास हमारे सनातन धर्म की आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का समय है। यह आयोजन न केवल हमारी परंपराओं के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाज के प्रति सेवा भावना को भी जाग्रत करता है।

फर्जी वर्दी पहनकर आतंक फैलाने वाला अपराधी मुठभेड़ में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 पुलिस ने कल रात्रि को एक मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश को घायल कर गिरफ्तार किया, जो पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को डरा-धमकाकर अपराध करता था। आरोपी पहले भी जेल जा चुका है।

पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल नोएडा) शक्ति मोहन अवस्थी ने जानकारी दी कि थाना फेस-3 के प्रभारी ध्रुव भूषण दुबे अपनी टीम के साथ टीपीनगर चौराहे पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध व्यक्ति आता दिखा। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की।

पुलिस ने पीछा किया तो आरोपी ने खुद को घिरता देख गढ़ी गोलचक्कर की ओर भागते हुए पुलिस पार्टी पर जानलेवा फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। मौके से उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घायल बदमाश की पहचान अमित उर्फ सुक्के, पुत्र अनिल निवासी ग्राम चितवाना शेरपुर, थाना किला परीक्षितगढ़, जनपद मेरठ (वर्तमान में ग्राम बहलोलपुर, थाना फेस-3, नोएडा में किराये पर रहने वाला) के रूप में हुई है। यह आरोपी पहले भी थाना फेस-3 पुलिस द्वारा जेल भेजा जा चुका है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, एक यूपी पुलिस की वर्दी, एक फर्जी नंबर प्लेट, एक मोटरसाइकिल (स्प्लेंडर प्रो), 1200 रुपये नकद बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, अमित उर्फ सुक्के पुलिस की वर्दी पहनकर आम नागरिकों को डराने-धमकाने और ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। घायल आरोपी को उपचार हेतु अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अब उसके आपराधिक इतिहास की विस्तृत जांच कर रही है तथा अन्य संभावित मामलों में उसकी संलिप्तता की जांच भी की जा रही है।

मुठभेड़ में दो शातिर वाहन चोर घायल, चार गिरफ्तार

दादरी से चोरी हुई क्रेटा कार, तमंचे और सॉफ्टवेयर डिवाइस बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने शुक्रवार देर रात चेकिंग के दौरान वाहन चोर गिरोह के छह सदस्यों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की। मुठभेड़ में दो बदमाश पुलिस की गोली से घायल हो गए, जबकि चार अन्य को मौके से भागते समय कांबिंग कर गिरफ्तार किया गया। बदमाशों के पास से चोरी की गई क्रेटा कार, दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस और कार चोरी में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर डिवाइस बरामद की गई है।

दादरी थाना पुलिस चेकिंग अभियान के तहत ग्राम घोड़ी बछेड़ा स्थित श्मशान घाट के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही एक संदिग्ध क्रेटा कार को रोकने का इशारा किया गया। लेकिन कार सवार रुकने के बजाय भागने लगे। पुलिस के पीछा करने पर खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी और वे घायल हो गए। उनके चार अन्य साथी मौके से फरार हो गए, जिन्हें बाद में कांबिंग कर गिरफ्तार कर लिया गया।

एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि घायल बदमाशों की पहचान शादाब सैफी उर्फ याहया, पुत्र मोहम्मद ईसा, निवासी मदरसे वाली रोड, हुमायूननगर, थाना लोहियानगर, मेरठ अब्दुल समद, पुत्र मुन्ना, निवासी मोहल्ला देवीदास, थाना खतौली, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है।

वहीं कांबिंग के दौरान गिरफ्तार अन्य चार बदमाशों की पहचान इकराम, पुत्र हसरत अली, निवासी मकान नंबर 44, लखनावली मोड़, थाना सूरजपुर, बाहिद, पुत्र रियासत, निवासी ग्राम बेगमपुर, थाना सूरजपुर, जाकत अली, पुत्र नन्हे खां, निवासी एचडीएफसी वाली गली, मस्जिद के पास, थाना सूरजपुर, अदालत, पुत्र हकीकत, निवासी कस्बा व थाना सूरजपुर के रूप में की गई है।

पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक चोरी की गई क्रेटा कार, दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक सॉफ्टवेयर डिवाइस बरामद की है, जिसका इस्तेमाल कार चोरी में किया जाता था। घायल बदमाशों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

आमजन का धन

आस्तीन चढ़ा कर सरकारों का खर्च मिट्टी होता है, फिर भी गुरूर यह कि काम इसी तरह होता है। एक साथ चौदह पिंजरे, भीतर इतने ही सरकारी होटल और तोते उड़ गए अपनी दिशा में। दिशाहीन कौन, होटल, पर्यटन निगम के कर्मचारी, पर्यटक या राज्य के संसाधन। फेहरिस्त पर नजर दौड़ाएं तो ये चौदह इकाइयां असफल हो ही नहीं सकती थीं, लेकिन सरकारी कार्य संस्कृति के दूध से कितनी मक्खियां निकालेंगे। आदेश अदालत को देने पड़े थे, क्योंकि सार्वजनिक धन से मकबरे नहीं सजाए जा सकते। अगर इमारतों के बीच सरकारी धन से बने मकबरों पर गौर करेंगे, तो जिंदा ताबूत में सारे सबूत रखने पड़ेंगे। इससे पहले एचआरटीसी के निकम्मे रूटों की नुमाइश हुई, तो अचानक फरमान आया कि निजी क्षेत्र को चुगने को कहा जाए। यहां आम तो सबने चुरा लिए, अब गुठलियां बेची जा रही हैं। खैर एक हकीकत सामने आ रही है कि सरकार सारे पापड़ नहीं बेल सकती और न ही सारे काम सरकारों को करने चाहिएं। चौदह होटल अपने निर्वाण के लिए निजी क्षेत्र का प्रश्रय चाहते हैं। सरकार के फलक पर निजी क्षेत्र का आरोहण बेशक स्वागत योग्य है और यह भी साबित हो रहा है कि आइंदा राज्य की तस्वीर में इसका ही नाम होगा। सवाल अब यह है कि क्या सरकार को अब नए होटलों का निर्माण नहीं करना चाहिए, लेकिन हकीकत यह भी है कि बड़ी परियोजनाएं और बड़ी शेखियां जारी रहेंगी। अंततः हम पर्यटन की तिजोरी से अगर एचपीटीडीसी को घाटे का खेत बना देते हैं, तो जीत क्या रहे और भविष्य के लिए क्या कर रहे। जाहिर है सरकारी क्षेत्र में व्यावसायिक दक्षता की कमी है या ग्राहक को संतुष्ट करने की अभिलाषा ही नहीं बची। एचआरटीसी हमें सही से मंजिल तक नहीं पहुंचा पा रही, मिल्क फेडरेशन हमारी जरूरतों का दूध उपलब्ध नहीं करवा पा रहा और एचपीटीडीसी पर्यटक को लुभा नहीं पा रहा, तो कहीं हमारे सियासी फैसलों का कूड़ाघर हमारे जेहन में भर रहा है। चौदह होटल इकाइयों को निजी क्षेत्र में देने का फैसला दरअसल विनिवेश की ओर इशारा भी कर रहा है। अब वक्त आ गया है कि हिमाचल अपनी असमर्थ आर्थिकी के कांटे बाहर निकाल दे। कई स्कूल, कालेज और अस्पतालों का प्रबंधन निजी क्षेत्र से साझा कर लेना चाहिए या मान लेना चाहिए कि बिना छात्रों के शिक्षण संस्थान और बिना बेहतर इलाज के चिकित्सा संस्थान पालने से सिर्फ छवि और शक्ति का क्षरण ही होगा। इतना ही नहीं हिमाचल के विभिन्न विभागों के तहत चलने वाले करीब ढाई हजार डाकबंगलों का युक्तिकरण भी जरूरी है या इन्हें भी आय-व्यय के ढांचे में निजी क्षेत्र के साथ बांट लेना चाहिए। हर विभाग का रेस्ट हाउस क्यों। क्यों न एक ही शहर में उसके प्रशासनिक व अन्य महत्त्व के आधार पर पच्चीस, पचास या सौ कमरों का एक ही परिसर बना कर सभी विभागों को एक साथ रेस्ट हाउस सुविधा दी जाए। प्रदेश में कई प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को लेकर प्रयास हुए हैं, लेकिन इसके साथ विनिवेश को पारदर्शी ढंग से नहीं जोड़ा गया। एक नीति व ऑडिट के बाद विनिवेश के जरिए निजी निवेशकों के सामने हिमाचल निर्माण का खाका रखना चाहिए। यही 14 होटल अगर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय होटल श्रृंखलाओं के साथ जुड़ जाएं, तो मकबरे-महल साबित हो सकते हैं। सरकारी शिक्षण संस्थानों के परिसर अगर प्रतिष्ठित निजी शैक्षणिक प्रयासों से जुड़ जाएं, तो परिणामों की आभा बदल सकती है। बदल जाएंगे कई अस्पताल और वहां का सोच, अगर निजी क्षेत्र की ऊर्जा अनुभव व कार्य संस्कृति के तहत कुछ चिकित्सा संस्थान निजी क्षेत्र को दे दिए जाएं। कोशिश अब यह हो कि पटरी से उतरे 14 होटल निजी क्षेत्र में संवर जाएं, लेकिन यह विकल्प कल कुछ और सरकारी होटलों के पल्ले न पड़े। यह इसलिए भी कि अतीत में जब कई कैफे परिसर निजी क्षेत्र को दिए, तो वे जमीन बन गए। बैजनाथ का कैफे आज माल गोदाम है, तो धर्मशाला का भागसूनाथ जलधारा कैफे आज मॉल है। यह करिश्मा है या पतन की कहानी, लेकिन हकीकत यह है कि सरकारी तश्तरियों में प्रदेश की प्रतिष्ठा यूं ही कई बार बंट रही है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कश्यप और अदिति ने बड़ा भारी तप किया था। मैं पहले ही उनको वर दे चुका हूँ। वे ही दशरथ और कौसल्या के रूप में मनुष्यों के राजा होकर श्री अयोध्यापुरी में प्रकट हुए हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तिन्ह कें गृह अवतरिहउँ जाई। रघुकुल तिलक सो चारिउ भाई॥

नारद बचन सत्य सब करिहउँ। परम सक्ति समेत अवतरिहउँ॥

उन्हीं के घर जाकर मैं रघुकुल में श्रेष्ठ चार भाइयों के रूप में अवतार लूँगा। नारद के सब वचन मैं सत्य करूँगा और अपनी पराशक्ति के सहित अवतार लूँगा॥

हरिहउँ सकल भूमि गरुआई। निर्भय होहु देव समुदाई॥

गगन ब्रह्मबानी सुनि काना। तुरत फिरे सुर हृदय जुड़ाना॥

मैं पृथ्वी का सब भार हर लूँगा। हे देववृंद! तुम निर्भय हो जाओ। आकाश में ब्रह्म (भगवान) की वाणी को कान से सुनकर देवता तुरंत लौट गए। उनका हृदय शीतल हो गया॥

तब ब्रह्माँ धरनिहि समुझावा। अभय भई भरोस जियँ आवा॥

तब ब्रह्माजी ने पृथ्वी को समझाया। वह भी निर्भय हुई और उसके जी में भरोसा (ढाढस) आ गया॥

दो0-निज लोकहि बिरंचि गे देवन्ह इहइ सिखाइ।

बानर तनु धरि धरि महि हरि पद सेवहु जाइ॥

देवताओं को यही सिखाकर कि वानरों का शरीर धर-धरकर तुम लोग पृथ्वी पर जाकर भगवान के चरणों की सेवा करो, ब्रह्माजी अपने लोक को चले गए॥

(क्रमशः...)

भगवंत मान के गैर-जिम्मेदाराना बयान से मोदी के कूटनीतिक प्रयासों पर फिर सकता है पानी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए एक बेहद गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी की है जिसको लेकर विवाद गहरा गया है। देखा जाये तो राजनीति में एक दूसरे की आलोचना करना या विचारों से असहमति जताना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह टिप्पणी देश की विदेश नीति या प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़ी हो, तब यह सिर्फ आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके राजनयिक प्रभाव भी हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान ने एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 140 करोड़ लोगों वाले देश में नहीं रहते, बल्कि 10,000 की आबादी वाले देशों का दौरा करते हैं।

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे 'गैरजिम्मेदाराना' करार दिया है। भगवंत मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ''राज्य के एक उच्च पदाधिकारी'' द्वारा की गई उन अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है, जिसमें मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों की अनदेखी की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने ग्लोबल साउथ के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में राज्य के एक उच्च पदाधिकारी द्वारा की गई कुछ टिप्पणियां देखी हैं।' उन्होंने भगवंत मान की टिप्पणी पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'ये टिप्पणियां गैरजिम्मेदाराना और खेदजनक हैं तथा राज्य के किसी पदाधिकारी को शोभा नहीं देतीं।' जायसवाल ने कहा, 'भारत सरकार मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमजोर करने वाली ऐसी अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है।'

देखा जाये तो भगवंत मान को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं केवल द्विपक्षीय या बहुपक्षीय बैठकें नहीं होतीं, बल्कि वे भारत की वैश्विक स्थिति, रणनीतिक भागीदारी, निवेश संभावनाओं और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का माध्यम भी होती हैं। प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों के दौरान दिये गये बयान और घोषणाएं भारत की विदेश नीति का चेहरा बनती हैं। ऐसे में जब देश का एक मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से इन यात्राओं की खिल्ली उड़ाता है, तो विदेशी सरकारें और कूटनीतिक संस्थान भारत की आंतरिक एकता, राजनीतिक परिपक्वता और स्थायित्व पर सवाल उठा सकते हैं।

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे 'गैरजिम्मेदाराना' करार दिया है।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि विदेशी राष्ट्र भारत के भीतर के राजनीतिक मतभेदों को सावधानी से परखते हैं। भगवंत मान जैसे नेताओं की टिप्पणियां यह संकेत दे सकती हैं कि भारत की विदेश नीति पर विपक्षी दलों में विश्वास की कमी है। इससे भारत की राजनयिक विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है, विशेष रूप से तब, जब भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने और जी-20 जैसे मंचों पर मुखर भूमिका निभा रहा हो।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि एक लोकतांत्रिक देश में आलोचना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि नेता राष्ट्रीय मंचों और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर सार्वजनिक बयान देते समय राष्ट्रीय हितों की मर्यादा का ध्यान रखें। प्रधानमंत्री विदेश में न केवल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि पूरे भारत का भी। ऐसे में उनके प्रयासों का उपहास उड़ाना अंततः देश के सामूहिक सम्मान को नुकसान पहुंचा सकता है। विदेशी मीडिया भारतीय नेताओं की ऐसी टिप्पणियों को उद्धृत करता है और कई बार उन्हें संदर्भ से बाहर पेश कर भारत को नुकसान पहुँचाया जाता है। भगवंत मान की टिप्पणी भी इसी श्रेणी में आ सकती है, जिससे भारत की विदेश नीति को लेकर भ्रम फैल सकता है। यह बात निवेशकों, रणनीतिक भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भारत के प्रति धारणा को भी प्रभावित कर सकती है।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि भारत जैसी उभरती वैश्विक शक्ति के लिए यह आवश्यक है कि उसके आंतरिक राजनीतिक मतभेद अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित नहीं करें। विदेश यात्रा जैसे संवेदनशील विषयों पर राजनीतिक बयानबाज़ी भारत की एकजुटता पर सवाल खड़े कर सकती है। इससे यह संदेश जा सकता है कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्रीय हितों पर राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देता है, जो किसी भी देश की छवि के लिए सकारात्मक संकेत नहीं होता।

हम आपको यह भी बता दें कि भगवंत मान ने पहली बार हल्के स्तर का बयान नहीं दिया है। इससे पहले भी वह विवादित बयान दे चुके हैं जिससे भारतीय कूटनीति के लिए असहज स्थिति बनी है। इंटरनेट पर खोजने पर ऐसी मीडिया रिपोर्टें मिलती हैं कि भगवंत मान ने अपने विदेश दौरों पर (विशेषकर जर्मनी और यूके) अप्रत्यक्ष रूप से भारत में लोकतंत्र के हालात पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कथित रूप से कहा था कि 'हम पंजाब में लोकतंत्र को जिंदा रखे हुए हैं जबकि अन्य राज्य दबाव में हैं।' इससे विदेशी राजनयिक समुदाय में यह संदेश गया था कि भारत के भीतर लोकतांत्रिक स्थिति पर निर्वाचित नेता भी असहमति जताते हैं। देखा जाये तो यह भारत के विरुद्ध प्रचार को बल देता है।

बहरहाल, मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं पर की गई टिप्पणी एक सीमित राजनीतिक फायदे की मंशा से की गई हो सकती है, लेकिन इसके प्रभाव व्यापक और बहुआयामी हो सकते हैं। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, लेकिन ऐसा राष्ट्रीय हितों के साथ संतुलन बनाकर किया जाना चाहिए। कूटनीति केवल विदेश मंत्रालय की ही नहीं बल्कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी होती है इसलिए सभी को देश की वैश्विक प्रतिष्ठा के संरक्षण में अपनी भूमिका समझनी चाहिए और उसी के अनुरूप आचरण करना चाहिए। व्यक्तिगत बयानबाज़ी का खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है यह बात भगवंत मान जैसे नेताओं को समझनी चाहिए।

- नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सतर्कता एक मौसम है (व्यंग्य)

पानी कम उपलब्ध हो तो लड़वाता है। बर्तन टकराते हैं, राजनीति होने लगती है। पानी जब बाढ़ हो जाता है तो मुसीबत बन जाता है। बर्तन बहा ले जाता है, नए लोग राजनीति में प्रवेश करते हैं। सोए हुए लोग राजनीति करने लगते हैं। हर कहीं सतर्कता बढ़ जाती है। आनन फानन में बैठकें होती हैं। बैठक की अध्यक्षता किसी और को करनी चाहिए, किसी और को अध्यक्ष बनना पड़ता है। इसी चक्कर में टीवी और अखबार कवरेज ढंग से नहीं हो पाती है।

बरसात के मौसम में ग्रीन अलर्ट तो जारी होते ही नहीं, पीले व संतरी भी कम होते हैं। ज्यादा सतर्कता बरतते हुए रेड अलर्ट ज्यादा जारी होते हैं। वह बात दीगर है, अलर्ट के बावजूद बारिश नहीं होती और शाम का सूरज धूप की गोद में छिपता है। आम लोगों को समझ नहीं आता कि सतर्क रहें या रोजी रोटी का इंतजाम करें। ज्यादा सतर्क तो सरकार को ही रहना होता है। वही सतर्क रहने की चेतावनी जारी करती है। जिन क्षेत्रों में जलभराव, नदी नालों में उफान होना होता है चेताया जाता है कि अपना सब कुछ भूलकर या छोड़कर, सिर्फ जान बचाने के लिए पूरी तरह सतर्क रहें।

पहाड़ खुद तो किसी को सतर्क कर नहीं सकते इसलिए जहां भूस्खलन और भूधसाव का अंदेशा जताया जाता है वहां आनेजाने वाले यात्रियों को सावधान करते हुए सतर्क किया जाता है। जहां सडकों और गलियों की बरसाती मरम्मत का काम चल रहा होता है वहां भी सतर्क रहने को कहा जाता है। हर कहीं कूड़ा कचरा फेंकने वालों को भी सतर्क रहने को कहा जाता है। कूड़ा फेंकने वाले, सतर्क रहते हुए बारिश में ही फेंकते रहते हैं ताकि कूड़ा कचरा स्वत बह जाए। परेशान मौसम विज्ञान केंद्र भी बेहद सतर्क होते हुए विशेष एहतियात और सतर्कता बरतने को कहता है। विद्युत विभाग वाले भी अग्रिम सतर्क हो जाते हैं ताकि बिजली चले जाने का दोष अकारण बारिश को दे दिया जाए। सोशल मिडिया के उस्तादों द्वारा बहाई बाढ़ की झूठी खबरों और वीडियो से भी सतर्क रहने को कहा जाता है।

सतर्कता का अर्थ यह लिया जा सकता है कि सभी बारिश सम्बंधित विभाग अपने अपने सुतर्कों के साथ मुस्तैद रहें। जरूरत पड़ते ही यानी कहीं भी दुर्घटना किस्म का कुछ भी हो जाए तो बढ़िया, प्रसिद्ध और स्थापित तर्कों के साथ उचित जवाब देकर, प्रेस नोट जारी कर, अपना बचाव सुनिश्चित कर लें। स्पष्ट कह दिया जाए कि जो बंदा मर गया, धंस गया, गिर गया या बह गया वह उसकी अपनी गलती थी । कुदरत द्वारा बर्बाद किए गए मौसम में, मानसिक और शारीरिक रूप से सतर्क रहना उसकी निजी जिम्मेदारी थी।

विभागों की जिम्मेदारी, खुद को सतर्क रखते हुए दूसरों को सतर्क रहने के लिए कहना मात्र है। सब जानते, मानते और समझते हैं कि बारिश और बाढ़ कुदरती आपदा है। इस सन्दर्भ में बेचारा इंसान ज्यादा कुछ कर नहीं सकता। अब मंत्री, ठेकेदार और अफसर सब तो बन नहीं सकते। जन्म लेने के लिए उचित समय, भाग्य, नक्षत्र, जुगाड़, मेहनत और माहौल का मिलाजुला योगदान होता है। सतर्कता का सन्देश देने वालों का सुरक्षित रहना भी जरूरी है अगर उन्हें कुछ हो गया, बाढ़ ने बुला लिया तो कौन उन्हें सतर्क करेगा। जिस तरह सतर्क रहना आसान नहीं है उसी तरह सतर्क करना भी बड़ी भारी जिम्मेदारी का काम है। जिम्मेदारी से काम करना आसान काम नहीं है।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, तृतीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी लेकिन गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन और खरीदारी का योग बनेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा हो गया है। प्रेम, संतान का साथ है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धनार्जन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। वाणी पर विराम लगाएं या वाणी पर थोड़ा सा रोक लगा करके बोलें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सितारों की तरह चमकेंगे। जो चाहेंगे वो होगा। जिस चीज की जरूरत होगी, उसकी उपलब्धता होगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। और सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। स्वास्थ्य मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे मिलेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य साथ देगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

दस्यु सुंदरी सीमा परिहार बनीं किसान यूनियन की राष्ट्रीय अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। भारत बचाओ, संविधान बचाओ आंदोलन, भारतीय किसान यूनियन (एस), पीडीएमएम गठबंधन व राष्ट्रीय पसमांदा हिंदू-मुस्लिम महासभा की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस शनिवार को नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित की गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पीडीएमएम गठबंधन के प्रमुख व भारतीय किसान यूनियन (एस) के राष्ट्रीय संरक्षक संजय गुर्जर ने पूर्व दस्यु सुंदरी और बिग बॉस में हिस्सा ले चुकीं सीमा परिहार को भारतीय किसान यूनियन (एस) के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की।

इस मौके पर सीमा परिहार ने कहा कि वह नई जिम्मेदारी पाकर बेहद खुश हैं। किसानों और जरूरतमंदों की मदद को लेकर वह ज़मीनी स्तर पर काम करेंगी।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए संजय गुर्जर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पीडीएमएम गठबंधन राजनीतिक पार्टियों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। जिन पार्टियों का उत्तर प्रदेश में आधार मजबूत है, उन्हीं दलों को गठबंधन में शामिल किया जाएगा।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 50 मुख्य सीटें हैं, जिन पर जातीय और राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए 2027 के चुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा दिसंबर तक कर दी जाएगी।

राष्ट्रीय पसमांदा हिंदू-मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाहिद भैया ने बताया कि पूरे देश के लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं, जो पसमांदा आंदोलन को मजबूत करेंगे और हम पसमांदा समाज की समस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री से भी मिलेंगे।

भारतीय किसान यूनियन (एस) के प्रदेश अध्यक्ष रतन सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में प्रदेश कमेटी का गठन पूरा कर लिया गया है और अक्टूबर से एमएसपी कानून, किसान आयोग का गठन तथा भूमि अधिग्रहण में बदलाव के लिए आंदोलन शुरू किया जाएगा।

स्याना विधानसभा से पीडीएमएम गठबंधन के उम्मीदवार और पीडीएमएम गठबंधन की राष्ट्रीय सामान्य समिति के सदस्य एडवोकेट डिबलु सिंह मुंडन ने कहा कि 24 अगस्त से सामाजिक न्याय यात्रा शुरू की जा रही है, जिसकी शुरुआत गढ़ गंगा से की जाएगी। इस मौके पर जितेंद्र उर्फ बबली गुर्जर, इमरान खान, जबरुद्दीन नेताजी, मुस्तकीम भाटी, राजबीर सिंह आदि भी प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए।

छात्रों की बहुपयोगी दो पुस्तकों का हुआ विमोचन

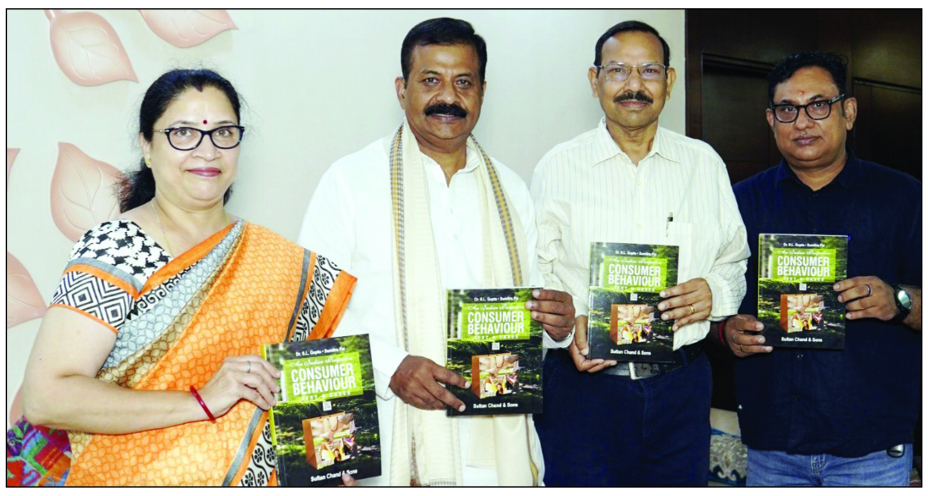

नोएडा (चेतना मंच)। बीबीए, एमबीए तथा बी. कॉम, एम. कॉम के छात्रों के लिए सुल्तान चंद एंड संस प्रकाशन हाउस द्वारा प्रकाशित दो बहुपयोगी पुस्तकों एडवरटाइजिंग, सेल्स प्रमोशन एंड पर्सनल सेलिंग एवं 'कंज्यूमर बिहेवियर' का विमोचन उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान समिति के अध्यक्ष, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता द्वारा प्रो. डॉ. एस. एल. गुप्ता, डॉ. निकेत मेहता, डॉ. सीमा गुप्ता, गंगाधर चौधरी, डॉ. शुभ्रा वैष्य की उपस्थिति में किया गया।

सुल्तान चंद एंड संस प्रकाशन हाउस की डॉ. शुभ्रा वैष्य ने बताया कि ये दोनों पुस्तकें छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। पहली पुस्तक एडवरटाइजिंग, सेल्स प्रमोशन एंड पर्सनल सेलिंग को प्रो. डॉ. एस. एल. गुप्ता एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. निकेत मेहता, जो कि बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी नोएडा में कार्यरत हैं, द्वारा लिखा गया है। वहीं दूसरी पुस्तक कंज्यूमर बिहेवियर को प्रो. डॉ. एस. एल. गुप्ता द्वारा लिखा गया है।

कैप्टन विकास गुप्ता ने बताया कि उन्होंने दोनों पुस्तकों का अध्ययन किया है। ये पुस्तकें न केवल वर्तमान शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से भी गहराई से जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं। इन पुस्तकों का उद्देश्य औद्योगिक दृष्टि से तैयार, विश्लेषणात्मक रूप से सक्षम एवं नैतिक रूप से मजबूत पेशेवर तैयार करना है।

प्रो. डॉ. एस. एल. गुप्ता ने बताया कि ये दोनों पुस्तकें विशेष रूप से बीबीए, एमबीए, बी. कॉम और एम. कॉम के छात्रों एवं विपणन, सेवा और प्रबंधन क्षेत्र के पेशेवरों के लिए लिखी गई हैं।

सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी की महानगर कमेटी गठित

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी की बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी उत्तर प्रदेश द्वारा नोएडा निवासी हरपाल सिंह को नोएडा का महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नव नियुक्त महानगर अध्यक्ष हरपाल सिंह ने शनिवार को नोएडा मीडिया क्लब में एक प्रेसवार्ता के दौरान अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ सपा नेता वीर सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

हरपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने नोएडा शहर के अलग-अलग इलाकों में रहने वाले 21 लोगों को अपनी कार्यकारिणी में स्थान दिया है। कार्यकारिणी में महेश कुमार को महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है, वहीं रविंद्र कुमार, सतवीर गौतम, नरेंद्र कुमार और कृष्ण कुमार को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। रोहित कुमार कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाएंगे।

महानगर अध्यक्ष द्वारा प्रेम सिंह, विनोद सागर, अंगद कुमार, प्रवेश कुमार, गिरिराज, गीता देवी, सुरेश चंद्र, अभिषेक गौतम, रघुवीर सिंह, मनोज कुमार और दुष्यंत कुमार को सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं मानसिंह, रेखा शर्मा और पवन गौतम को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव, समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह भारती, जयकरण चौधरी, लाल सिंह गौतम, सतबीर गौतम और हरपाल सिंह समेत तमाम पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रालोद किसान प्रकोष्ठ के नोएडा अध्यक्ष बने सोविंदर अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ ने संगठनात्मक विस्तार के तहत नोएडा के ग्राम निठारी निवासी सोविंदर अवाना को किसान प्रकोष्ठ का नोएडा महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद नागर द्वारा की गई, जिसे संगठन के शीर्ष नेतृत्व का भी समर्थन प्राप्त है।

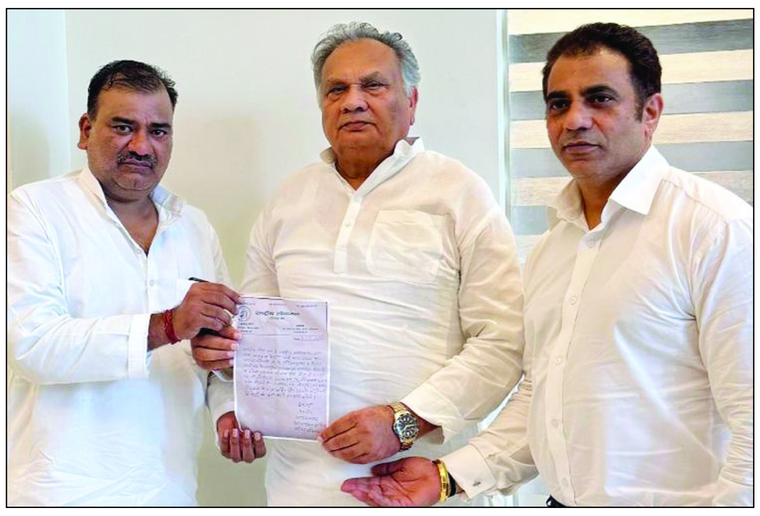

नियुक्ति के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता त्रिलोक त्यागी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज चौधरी ने औपचारिक रूप से सोविंदर अवाना को नियुक्ति पत्र सौंपा।

अपनी नियुक्ति पर सोविंदर अवाना ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी सहित सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय लोकदल द्वारा मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर मैं आभारी हूं। यह सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि किसानों की सेवा का अवसर है। मैं संगठन के माध्यम से नोएडा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने, सरकारी योजनाओं की जानकारी उन्हें पहुंचाने और उनकी आवाज़ को मंच दिलाने का संकल्प लेता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वे संगठन को ज़मीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए गांव-गांव जाकर जनसंवाद स्थापित करेंगे और किसानों, मज़दूरों तथा ग्रामीण वर्ग के लिए संघर्ष करते रहेंगे। इस नियुक्ति के साथ ही नोएडा में राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ के कार्यों को नई दिशा और ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संगठन सृजन को लेकर कांग्रेस कोऑर्डिनेटर ने की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। संगठन सृजन अभियान को लेकर कोऑर्डिनेटर नरेश भाटी ने नोएडा के हिंडन ब्लॉक की चोटपुर कॉलोनी में कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष वसीम खान के नेतृत्व में नई कमेटी का गठन किया गया और पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करना और उन्हें सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर जागरूक करना है। इस अभियान के तहत संगठन को मजबूत बनाने और सदस्यता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

हमें विश्वास है कि संगठन के सदस्य अपने कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आज के कार्यक्रम में प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर (अल्पसंख्यक विभाग) लियाकत चौधरी, राजकुमार भारती, विक्रम चौधरी, रामकुमार शर्मा, जगपाल चौहान, चंदा बेगम सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में गरजा बुलडोजर

ग्रीन बेल्ट पर कब्जा हुआ तो नपेंगे अधिकारी-कर्मचारी : एनजी रवि कुमार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। शनिवार को जैतपुर-वैशपुर की ग्रीन बेल्ट में हुए अतिक्रमण को उद्यान विभाग की टीम ने तोड़ दिया। दोबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर ओएसडी गुंजा सिंह ने ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के लिए अभियान शुरू किया है।

उन्होंने उद्यान विभाग की टीम को निर्देश दिए कि ग्रेटर नोएडा की किसी भी ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण दिखे तो उसे तत्काल तोड़ने की कार्रवाई करें।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि किसी भी ग्रीन बेल्ट में निर्माण होता पाया गया तो उद्यान विभाग के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के कड़ी खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना (दो पैकेट प्रणाली)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है:- **ई-निविदा संख्याः** NER-LJN-2025-120(Two Packet System), **कार्य का नामः** सिद्धार्थनगर स्टेशन पर अन्य सुविधाओं के साथ द्वितीय प्रवेश द्वार (दक्षिण दिशा) का प्रावधान । **अनुमानित लागत (₹):** 10,62,23,899.57, **अग्रिम धन (₹):** 6,81,100.00, **समापन अवधिः** 12 माह । **नोटः-** 1. उपरोक्त ई-निविदा संख्या **NER-LJN-2025-120(Two Packet System)** के लिये ई-निविदा दिनांक 05.08.2025 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेगी। 2. उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान मे लेना सुनिश्चित करे।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्ल्यू-156 **लखनऊ**

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पैरालंपिक चैंपियन में अंतिल ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने सातवीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और पुरुषों की भाला फेंक (एफ42 एवं एफ64) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। यह चैंपियनशिप काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन से इस साल के आखिर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल का चयन निर्भर करेगा। हरियाणा के अंतिल ने 72.25 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके राज्य के मंजीत ने 54.56 मीटर के शानदार प्रयास के साथ रजत पदक जीता, जबकि एसएसबी (सेना खेल संवर्धन बोर्ड) के प्रदीप कुमार ने 45.17 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा का स्वर्णिम प्रदर्शन एफ40 एवं एफ41 भाला फेंक वर्ग में भी जारी रहा। पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नवदीप सिंह ने 42.63 मीटर भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। प्रिंस ने 31.90 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता और दिल्ली के रितेन्द्र ने 30.85 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। ट्रैक स्पर्धाओं में महिलाओं की 100 मीटर (टी 35, टी 37 और टी 42) दौड़ में उत्तर प्रदेश की प्रीति पाल ने 15 सेकेंड की प्रभावशाली स्प्रिंट के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके बाद गुजरात की बीना मोर्दिया रहीं जिन्होंने 17.20 सेकेंड का समय लिया, जबकि हरियाणा की अवनी ने 20.40 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 100 मीटर (टी12 और टी 13) वर्ग में उत्तर प्रदेश की सिमरन ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए 12.30 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता।

लॉर्ड्स में राहुल का दूसरा टेस्ट शतक

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन पहली पारी में शतक लगाया। राहुल ने दूसरे दिन अर्धशतक पूरा किया था और तीसरे दिन इसी लय को जारी रखते हुए शतक लगाया। राहुल ने 176 गेंदों पर शतक पूरा किया। यह उनका लॉर्ड्स में दूसरा टेस्ट शतक है। राहुल इसके साथ ही लॉर्ड्स में एक से अधिक शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। राहुल ने ऋषभ पंत के साथ मिलकर तीसरे दिन भारतीय पारी आगे बढ़ाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत का स्कोर तीसरे दिन चायकाल के बाद खबर लिखे जाने तक भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 330 रन बना लिए थे। मेहमान टीम पहली पारी में 71 रन से पीछे थी। दूसरे सेशन में भारत ने केएल राहुल का विकेट गंवाया और 25.3 ओवर में 68 रन बटोरे। लंच के ठीक बाद केएल राहुल शतक लगाकर शोएब बशीर का शिकार बने। राहुल, लॉर्ड्स में दो शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर हैं। राहुल 177 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट शोएब बशीर ने लिया। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक जड़ दिया है। जडेजा ने 87 गेंदों पर अपना पचासा पूरा किया। जडेजा का यह इस दौरे पर लगातार तीसरा अर्धशतक है। इस तरह से भारत का स्कोर पहली पारी में 330 रन के पार पहुंच गया है। वहीं जडेजा का साथ निभा रहे और धीरे-धीरे भारतीय टीम को इंग्लैंड टीम द्वारा दिए हुए लक्ष्य के करीब पहुंचाने में मदद कर रहे भारतीय बल्लेबाज नीतीश को स्टोक्स ने चलता किया। फिलहाल, नीतीश और जडेजा के बीच 72 रनों की साझेदारी हुई। खबर लिखे जाने तक जडेजा क्रीज पर मौजूद थे। वहीं भारतीय टीम इंग्लैंड से 61 रन पीछे चल रहा है। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने मुश्किल हालात में बेहतरीन पारी खेली। उनके इस जुझारूपन की पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने भी जमकर तारीफ की। कुंबले का कहना है कि राहुल ने एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों, खासकर जोफ्रा आर्चर की आक्रामक गेंदबाजी का डटकर सामना किया और बेहद सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी की। पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले केएल राहुल ने लॉर्ड्स में इस दौरे पर अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। इस दौरान भारत ने यशस्वी जायसवाल (13), करुण नायर (40) और कप्तान शुभमन गिल (16) के विकेट गंवाए।

इंग्लिश धरती पर टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई विकेटकीपर बन गए पंत

सचिन, धोनी और कोहली–से भी आगे निकले ऋषभ पंत

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच में इंजरी हो गई थी। इंग्लैंड की पहली पारी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद को कलेक्ट करने के प्रयास में पंत के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई। इसके चलते पंत को मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा था। पंत की जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि अच्छी बात यह रही कि ऋषभ पंत दूसरे दिन भारत की पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरे। दूसरे दिन के खेल के तीसरे सेशन में जब शुभमन गिल आउट हुए, तो पंत ने मोर्चा संभाला। इंजरी का पंत की बैटिंग पर असर नहीं दिखा।

उनकी फुटवर्क शानदार रही। इस दौरान उन्होंने 19 रन बनाए और कुछ बेहतरीन शॉट्स भी लगाए। इस दौरान पंत ने एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। ऋषभ पंत अब इंग्लिश धरती पर किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई विकेटकीपर बन गए हैं। पंत पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से आगे निकल चुके हैं। पंत मौजूदा सीरीज से पहले तक इस मामले में धोनी की बराबरी पर बराबरी पर थे। धोनी ने साल 2014 में इंग्लैंड में 349 रन बनाए थे। वहीं 2021 के इंग्लैंड दौरे पर पंत के बल्ले से 349 रन निकले थे। ऋषभ पंत SENA (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) कंट्रीज में किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई विकेटकीपर भी हैं। पंत ने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया है। साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पंत ने टेस्ट सीरीज में 350 रन बनाए थे। अब वो उस आंकड़े को पार कर चुके हैं।

लॉर्ड्स में गिल ने गढ़ा एक और कीर्तिमान

नई दिल्ली। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इतिहास रचा है। गिल ने पहली पारी में सिर्फ 16 रन बनाए, इसके बावजूद उन्होंने अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया। गिल ने इस दौरान विराट कोहली के इंग्लैंड की सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में एशियाई कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कोहली ने साल 2018 में ये रिकॉर्ड बनाया था।

कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 593 रन जड़कर इतिहास रच दिया था। कोहली ने मोहम्मद अजहरुद्दीन के 28 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा था। अजहरुद्दीन ने 1990 में 426 रन बनाए थे। वहीं अब गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन ये रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गिल के इस मैच से पहले 585 रन थे। गिल ने सिर्फ 9 रन बनाते ही इतिहास रच दिया था।

गिल एशियाई कप्तान के तौर पर इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में 600 रन बनाने पहले बल्लेबाज हैं। वहीं प्लेयर के तौर पर वो राहुल द्रविड़ से एक रन पीछे हैं। द्रविड़ ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में 602 रन बनाए थे। गिल इस मैच की दूसरी पारी में ये रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। गिल को सिर्फ दो रन बनाने हैं। वहीं बात करें टेस्ट क्रिकेट इतिहास की तो, गिल कप्तान के तौर पर इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में 600 का आंकड़ा पार करने वाले सिर्फ तीसरे कप्तान हैं। उन्होंने अब तक सीरीज में 601 रन बनाए हैं। गिल के अलावा इंग्लैंड में 600 से ज्यादा गैरी सोबर्स और ग्रेम स्मिथ ने बनाया है। सोबर्स ने 1966 में 722 रन बनाए थे। वहीं स्मिथ ने 2003 में 714 रन।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में ड्यूक बॉल पर विवाद!

नई दिल्ली। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रहा है। 5 मैचों की सीरीज का तीसरा मैच लॉर्ड्स में जारी है, जिसमें ड्यूक बॉल का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन खिलाड़ी इसकी क्वालिटी से खुश नहीं दिख रहे हैं। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन भारत को दो बार बॉल बदलनी पड़ी। खिलाड़ी बॉल की क्वालिटी से खुश नहीं थे। ड्यूक्स कंपनी की शुरुआत 1760 में ड्यूक्स परिवार ने की थी। अब इस कंपनी के मालिक भारतीय बिजनेसमैन दिलीप जाजोदिया हैं, जिन्होंने इसे 1987 में खरीदा था। अब इस पूरे मसले पर दिलीप जाजोदिया ने सफाई दी है। उन्होंने खिलाड़ियों से धैर्य रखने को कहा है। खास बात यह है कि यह गेंद मेरठ से यूके आती है, फिर इंग्लैंड (UK) में उनका फाइनल टच दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी, जिसकी शुरुआत 18वीं सदी में हुई थी। यूके के असामान्य रूप से गर्म मौसम और आज के दौर की क्रिकेट की मांगों को ध्यान में रखते हुए, बॉल में सुधार करने के लिए तैयार है। जहां बल्लेबाज भारी बल्लों से बॉल पर जोरदार प्रहार कर रहे हैं। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन की सुबह के सेशन में ड्यूक्स बॉल दो बार बदली गई। 10 ओवर पुरानी बॉल बदली जाने के बाद भी भारतीय खिलाड़ी काफी नाखुश थे, जिसके चलते कुछ ही मिनटों में दोबारा बॉल बदलनी पड़ी। जाजोदिया ने कहा- दुनिया में सिर्फ तीन मान्यता प्राप्त क्रिकेट बॉल निर्माता हैं क्रिकेट बॉल बनाना आसान नहीं है। अगर यह आसान होता, तो दुनिया भर में सैकड़ों निर्माता होते। उन्होंने कहा- इसलिए मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि हम चुपचाप बैठे नहीं रह सकते, हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, और अगर कोई समस्या है, तो इसका रिव्यू होगा। हम देखेंगे कि समस्या कहां है, चाहे वह चमड़े में कोई खराबी हो या किसी और चीज में, हम इसकी जांच करेंगे। मैं पैर ऊपर करके सिगार पीने नहीं जा रहा हूं। वह आगे बोले- सुपरस्टार बहस कर सकते हैं, वे पैसे देने वाले हैं, मुझे वही बनाना है जो वे चाहते हैं, मैं बस इतना ही कह सकता हूं। और लोगों को सावधान रहना चाहिए कि जब वे आलोचना करें, तो सिर्फ मेरी या मेरी गेंद की आलोचना न करें। मेरे पीछे बहुत से लोग हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने टीम में किए दो बदलाव

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के अंत के करीब है और अब वह विंडीज के खिलाफ पाँच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। ये मैच 21, 23, 26, 27 और 29 जुलाई को खेले जाएँगे। इस सीरीज में टीम की कप्तानी मिशेल मार्श करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अपनी टी20 टीम की घोषणा पहले ही कर दी थी। हालाँकि, हाल ही में उन्होंने आगामी सीरीज के लिए टी20 टीम में दो बदलावों की घोषणा की है।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्पेंसर जॉनसन और जोश हेजलवुड की जगह क्रमशः जेक फ्रेजर-मैकगर्क और जेवियर बार्टलेट को टीम में शामिल किया है। दिलचस्प बात यह है कि फ्रेजर-मैकगर्क अपने खराब फॉर्म के कारण राष्ट्रीय अनुबंध से चूक गए थे। इसके अलावा, आईपीएल के खराब प्रदर्शन के बाद, यह युवा खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ जल्दी वापसी करना चाहेगा। जोश हेजलवुड की बात करें तो, यह शीर्ष तेज गेंदबाज स्वदेश लौट रहा है और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज की तैयारी कर रहा है। दूसरी ओर, स्पेंसर जॉनसन अभी भी अपनी पीठ की चोट से उबर रहे हैं।

रूट ने दी द्रविड़ को मात

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट में जो रूट का जलवा है। दूसरे दिन की पहली ही गेंद पर लॉर्ड्स में अपना रिकॉर्ड 8वां टेस्ट शतक पूरा किया। रूट ने भारत के खिलाफ 11वां और ओवर ऑल 37वां शतक पूरा किया और शाम होते होते और एक और कारनामा अपने नाम किया। टेस्ट में 211 कैच पकड़ चुके और भारत के पूर्व कप्तान-कोच राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 211 कैच के साथ जो रूट शीर्ष स्थान पर हैं वहीं 210 कैच के साथ राहुल द्रविड़ अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। द्रविड़ के बाद इस कड़ी में अगला नाम 205 कैच के साथ महेला जयवर्धने का आता है। वहीं इससे एक दिन पहले शुक्रवार को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (74 रन देकर पांच विकेट) के सुबह के खतरनाक स्पैल की बदौलत इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जो रूट के 37वें शतक के बावजूद पहली पारी में 387 रन पर समेट दिया। बुमराह ने इस तरह कपिल देव के विदेशी सरजमीं पर 12 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। बुमराह के अब तक टेस्ट में 15 बार पांच विकेट लेने का कारनामा दिखाया। उन्होंने यह उपलब्धि लगातार दो टेस्ट मैचों में हासिल की है जिसमें लीड्स के पांच विकेट भी शामिल हैं।

यूरोपीय दौरे को लेकर आत्मविश्वास से लबरेज हैं वेंकटेश

नई दिल्ली। भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो जीत - 6-1 और 6-0 - दर्ज कीं और अपने आठ मैचों के यूरोपीय दौरे की शुरुआत की। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं फॉरवर्ड वेंकटेश केंचे, जो अपनी तेज गति और लगातार आक्रामक मानसिकता के लिए जाने जाते हैं, एक उभरते हुए खिलाड़ी हैं और इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए कृतसंकल्प हैं। 2016 और 2018 में जूनियर राष्ट्रीय शिविर में भाग लेने के बाद, केंचे ने भारतीय टीम में जोश के साथ वापसी की है। वह इस सफलता का श्रेय घरेलू सर्किट में लगातार अच्छे प्रदर्शन को देते हैं। उन्होंने कहा, "मैं कड़ी मेहनत और अभ्यास कर रहा हूं। भारत के लिए खेलना मेरा लक्ष्य रहा है।" "मैंने अपनी बुनियादी बातों और फिटनेस पर बहुत ध्यान दिया, और इससे मेरे खेल को वाकई मदद मिली। घरेलू सर्किट बहुत प्रतिस्पर्धी है, जिसमें कई मजबूत टीमें हैं, जिसने हम सभी को बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है।" केंचे ने हॉकी महाराष्ट्र को राष्ट्रीय खेलों में कांस्य पदक दिलाने और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के क्वार्टर फ़ाइनल तक पहुँचने में अहम भूमिका निभाई। भारत 'ए' के लिए पदार्पण करते हुए, भावुक "भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे बहुत गर्व है - और मेरे परिवार को भी। उन्होंने हमेशा मेरा समर्थन और प्रोत्साहन किया है, और मुझ पर कभी कोई दबाव नहीं डाला। मैं उनका बहुत आभारी हूँ।" घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हॉकी के बीच के अंतरों पर विचार करते हुए, केंचे ने गति और रणनीतिक गहराई में बदलाव को स्वीकार किया।

संन्यास की अटकलों पर जोकोविच ने लगाया विराम

नई दिल्ली सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए साफ कहा है कि वह एक बार और विंबलडन में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का है। बता दें कि, विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने जोकोविच को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। जिससे जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया। जोकोविच ने कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।' जोकोविच क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान आखिरी सेट में चोटिल हो गए थे और सेमीफाइनल में वह अपने पूरे रंग में नहीं दिखे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन को लेकर बात करना चाहता हूं। मुझे इस बात की निराशा जरूर है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मैंने सोचा था।' उन्होंने इस साल अभी तक तीनों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाए। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह चोट के कारण पहले सेट के बाद बाहर हो गए थे।

2026 टी20 विश्व कप के लिए इटली क्वालीफाई

नई दिल्ली। इटली ने अगले साल होने वाले ट्वेंटी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई करके इतिहास रच दिया है। वे हेग में नीदरलैंड्स से अपना आखिरी मैच हार गए, लेकिन उनका नेट रन रेट इतना अच्छा था कि उन्हें अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले इस मेगा इवेंट में जगह मिल गई।

आईसीसी यूरोप टी-20 विश्व कप के लिए यूरोप क्वालीफायर का आखिरी दिन उतार-चढ़ाव भरा रहा, क्योंकि उस दिन खेल रही सभी चार टीमें - नीदरलैंड, इटली, स्कॉटलैंड और जर्सी - आखिरी दो मैचों से पहले दावेदारी पेश कर रही थीं। आखिरकार, नीदरलैंड और इटली दोनों ने इस बड़े आयोजन के लिए अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी। इटली के लिए, यह आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए उनका पहला क्वालिफिकेशन होगा। 7 विकेट पर 134 रन पर सिमटने के बाद, इटली को क्वालीफाई करने के लिए, नीदरलैंड को कम से कम 14 ओवर तक रोकना था। इटली ने जर्सी को पछाड़ दिया, जिसने पहले दिन स्कॉटलैंड को हराया था, और वह भी बेहतर नेट रन रेट के आधार पर। माइकल लेविट और मैक्स ओ'डॉव्ड ने पावरप्ले में मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई जिससे इटली की शुरुआत में लय कम हो गई, लेकिन मेहमान टीम ने मैच को 17वें ओवर तक खींचकर अगले साल भारत और श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच में जगह पक्की कर ली। पहली पारी में, अनुभवी रोएलोफ वैन डेर मेर्वे ने चार ओवरों में केवल 15 रन देकर तीन विकेट लेकर नीदरलैंड्स को इटली को सामान्य स्कोर पर रोकने में मदद की। इटली नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा और पारी को संभालने के लिए कोई साझेदारी नहीं बना सका क्योंकि काइल क्लेन की शानदार गेंदबाजी और वैन डेर मेर्वे की कसी हुई गेंदबाजी ने मेहमान टीम को आसानी से रन बनाने से रोक दिया। बेंजामिन मैनेंटी की सधी हुई पारी और ग्रांट स्टीवर्ट्स के अंत में किए गए शानदार प्रदर्शन की बदौलत इटली ने 20 ओवरों में 7 विकेट पर 134 रन बनाए, जिसे नीदरलैंड्स ने आसानी से हासिल कर लिया, लेकिन यह इटली के लिए अपने पहले विश्व कप टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के लिए पर्याप्त था।

केएल राहुल निकले सईद अनवर और वीरेंद्र सहवाग से आगे

नई दिल्ली। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड दौरे पर कमाल की बल्लेबाजी की। लॉर्ड्स में जारी तीसरे टेस्ट की पहली पारी में भी उन्होंने अर्धशतक जड़ा। इस फिफ्टी की मदद से राहुल ने पाकिस्तान के सईद अनवर और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को एक झटके में पछाड़ दिया है। अब केएल राहुल का नाम सुनील गावस्कर के साथ उन तीन चुनिंदा खिलाड़ियों की लिस्ट में जुड़ गया है जिन्होंने बतौर एशियाई ओपनर SENA देशों में 10 से अधिक 50 प्लस स्कर बनाए हैं। SENA देशों से यहां मतलब साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से है। केएल राहुल का यह टेस्ट क्रिकेट में 19वां अर्धशतक है, वहीं SENA देशों में उनका 11वां 50 प्लस का स्कोर है। SENA देशों में बतौर एशियाई ओपनर सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों की करें तो इस लिस्ट में गावस्कर टॉप पर हैं।

धोनी के साथ टेनिस में डबल्स की टीम बनाना चाहते हैं सूर्या

नई दिल्ली। विंबलडन 2025 का मुकाबला देखने के लिए इस साल कई भारतीय क्रिकेटर्स पहुंचे थे। हाल ही में इस लिस्ट में भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल हो गए। सूर्या ने इस दौरान टेनिस के प्रति अपने प्यार और फेवरेट खिलाड़ी के बारे में बताया। सूर्या ने इस दौरान एमएस धोनी के साथ टेनिस में डबल्स की टीम बनाने की इच्छा जताई। सूर्या ने धोनी को अपना टेनिस डबल्स का पार्टनर चुना। उन्होंने बात करते हुए धोनी का नाम लिया, जब उनसे पूछा गया कि वो किस क्रिकेटर को डबल्स पार्टनर के लिए चुनेंगे। सूर्या ने कहा, "धोनी में स्पीड है, दम है और सबसे जरूरी – उनका दिमाग बहुत तेज चलता है। वो मानसिक रूप से बहुत मजबूत हैं, और हाल ही में जब भी उन्हें क्रिकेट से फुर्सत मिलती है, मैं उन्हें टेनिस खेलते हुए देखता हूं, तो हां, बिना किसी संकोच के वो धोनी ही होंगे।" सूर्या पहली बार विंबलडन देखने पहुंचे थे। सूर्या ने कहा, "यह मेरा यहां पर पहली बार है और मैं चाहता था सबकुछ सही रहे। ईमानदारी से कहूं, मेरी वाइफ मेरा बहुत अच्छा ख्याल रखती है। वह पिछले तीन या चार दिनों से मेरे साथ है, मुझे इस अद्भुत टूर्नामेंट के लिए क्या पहनना है, यह तय करने में मदद कर रही है। इतने सारे लोग आए हैं, मैं भी उनमें से एक हूं।"

खास खबर

डीडीए की नई हाउसिंग स्कीम, दिल्ली में 177 नए फ्लैट होंगे उपलब्ध

नई दिल्ली। दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राजधानी में प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2025 को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में इस योजना को हरी झंडी मिली। योजना के तहत वसंत कुंज, द्वारका, रोहिणी, पीतमपुरा, जसोला और अशोक पहाड़ी जैसे प्रमुख इलाकों में कुल 177 फ्लैट और 67 कार/स्कूटर गैराज ई-नीलामी के माध्यम से बेचे जाएंगे। इस योजना में उच्च आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और निम्न आय वर्ग के लिए आवास उपलब्ध होंगे। यह पहल राजधानी में बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए की गई है। फ्लैट्स के साथ गैराज की बिक्री भी ऑनलाइन नीलामी के जरिए होगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी।

भारत में निवेश के लिए सऊदी कंपनियों को नड्डा का आमंत्रण

नई दिल्ली। सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर गए केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे. पी. नड्डा ने शनिवार को सऊदी कंपनियों से भारत में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उनके साथ भारतीय उर्वरक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी मौजूद थे। यात्रा के दौरान नड्डा ने सऊदी-भारत व्यापार परिषद के चेयरमैन अब्दुलअजीज अल कहतानी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत दम्मम में व्यापारिक समुदाय से भी संवाद किया और भारत में रसायन, उर्वरक और पेट्रोकेमिकल जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्री ने सऊदी कंपनियों को भारत में मौजूद व्यापक अवसरों के बारे में जानकारी दी और उन्हें साझेदारी के लिए आगे आने को प्रोत्साहित किया।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 69.13 डॉलर प्रति बैरल और डब्यूटीआई क्रूड 67.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस उछाल का असर घरेलू ईंधन बाजार पर भी पड़ा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 8 जुलाई को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी किए हैं, जिनमें राज्यों के हिसाब से भिन्नता देखने को मिली है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के भावों में बदलाव हुआ है।

एक्स ने भारत में सदस्यता शुल्क में की बड़ी कटौती

नई दिल्ली। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत में अपने खाते की सदस्यता शुल्क में भारी कमी की है। कंपनी ने मोबाइल ऐप पर प्रीमियम खाते का मासिक शुल्क 900 रुपए से घटाकर लगभग 470 रुपए कर दिया है, जो लगभग 48 प्रतिशत की कटौती है। वेबसाइट पर प्रीमियम सेवा का शुल्क 650 से घटाकर 427 रुपए किया गया है। सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क 243.75 रुपए से कम होकर 170 रुपए हो गया है, जबकि वार्षिक शुल्क 2,590.48 से घटाकर 1,700 कर दिया गया है। प्रीमियम प्लस सदस्यता का मोबाइल संस्करण 3,470 से घटाकर 2,570 रुपये पर उपलब्ध है। इन बदलावों का उद्देश्य भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए सदस्यता सेवाओं को अधिक किफायती बनाना बताया गया है।

आईफोन 17 के उत्पादन पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली। एप्पल के प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन के भारत स्थित संयंत्रों से सैकड़ों चीनी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के लौटने के बाद संभावित उत्पादन व्यवधान की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है और एप्पल के पास विकल्प मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार फॉक्सकॉन के तमिलनाडु संयंत्र में कार्यरत ये इंजीनियर असेंबली लाइन, फैक्टरी डिजाइन और मशीनों के संचालन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने जैसे कार्यों में माहिर थे।

भारत का स्वर्ण भंडार 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के नए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर हो गया है। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास विशेष आहरण अधिकार भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा आंकड़ों के मुताबिक आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने

▶ आरबीआई ने जारी किए आंकड़े, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर

कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के आखिर में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के

संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया गया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया। वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 फीसदी बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 फीसदी बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य कारण बता रहे हैं।

साबु ट्रेड के ग्लूटेन-मुक्त उत्पाद छाए : ग्राहकों का बढ़ा भरोसा

सेलम/इंदौर। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते, साबु ट्रेड, सेलम के शुद्ध और ग्लूटेन-मुक्त फरियाली उत्पादों ने भारतीय बाजार में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। कंपनी के निदेशक विकास साबु ने बताया कि साबुदाना का पारंपरिक उपयोग व्रत-उपवास और पाचन संतुलन में लंबे समय से होता आ रहा है। तमिलनाडु की प्रमुख साबूदाना मंडी सेलम में 1984 में स्थापित साबु ट्रेड ने सच्चामोती ब्रांड के तहत उच्च गुणवत्ता वाले साबूदाने को छोटे पैक में बेचना शुरू किया। अपनी बेहतरीन गुणवत्ता के कारण, 1993 में सच्चामोती साबूदाना भारत का पहला एगमार्क प्रमाणित साबूदाना बना, जिसने इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय ब्रांड बनाया। 2016 में साबु ट्रेड ने ग्राहकों को और भी बेहतर गुणवत्ता देने के लिए सच्चासाबु एगमार्क साबूदाना लॉन्च किया। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने ग्लूटेन-मुक्त फलाहारी उत्पादों की अपनी विस्तृत श्रृंखला में साबूदाना-पापड़, सच्चासाबु फरियाली आटा, और अल्पाहार ब्रांड के तहत शुद्ध हल्दी पाउडर, नारियल बूरां, मखाना, साथ ही कुकरी जाँकी ब्रांड में विभिन्न प्रकार के पोषक मिलेट्स (श्रीधान्य) भी उच्च गुणवत्ता और शुद्धता के साथ बाजार में उतारे हैं। विकास साबु ने जोर देते हुए कहा कि आज के जागरूक ग्राहक शुद्धता और गुणवत्ता को सर्वोपरि मानते हैं, और साबु ट्रेड के उत्पाद उन्हें यही भरोसा दिलाते हैं। कंपनी का साबु ट्रेडमार्क रजिस्टर्ड लोगो उपभोक्ताओं के बीच शुद्धता और विश्वास का पर्याय बन चुका है।

एमजी ग्रुप की सुपर-प्रीमियम बस टिग्रा लांच

नई दिल्ली। बेंगलुरु में आयोजित रि:बोर्न इवेंट में एमजी ग्रुप ने अपनी पहली इन-हाउस विकसित सुपर-प्रीमियम बस टिग्रा लॉन्च कर दी। टिग्रा को कर्नाटक के बेलगावी स्थित अत्याधुनिक प्लांट में तैयार किया गया है। यह 13.5 मीटर कोच चेसिस प्लेटफॉर्म पर आधारित प्रीमियम इंटरसिटी बस है, जिसे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसमें एबीएस-मोल्डेड इंटीरियर, एंबिएंट लाइटिंग, प्रीमियम अपहोल्स्ट्री और पीयू-मोल्डेड असिस्टेंस हैंडल जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जो यात्रियों को आराम और सुरक्षा दोनों प्रदान करती हैं। इसके अलावा हार्टबीट स्टाइल एलईडी डीआरएल इसे अलग पहचान देते हैं। एमजी ग्रुप के प्रेसिडेंट (स्ट्रैटेजी और सेल्स) शिवकुमार वी. ने कहा कि टिग्रा अपने लॉन्च के साथ ही इस सेगमेंट की लीडर बनेगी। इवेंट में एमजी ग्रुप ने नया लोगो भी पेश किया, जिसमें एम से जी तक का फ्लो और हेक्सागोनल बोल्ट डिजाइन ब्रांड की इंजीनियरिंग विरासत को दिखाता है।

काइनेटिक ग्रीन बॉर्न इलेक्ट्रिक स्कूटरों और इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बिजनेस का करेगा विस्तार

रांची। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर एवं थ्री-व्हीलर बनाने वाली कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने अपने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बिजनेस को बढ़ाने की एक बड़ी योजना की घोषणा की है। पिछले साल लॉन्च हुए उनके मशहूर ई-लूना की शानदार सफलता से उत्साहित होकर, कंपनी अब अगले 18 महीनों में तीन उच्च प्रदर्शन वाले बॉर्न-इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने जा रही है, जो विश्वस्तरीय डिजाइन और मजबूत भारतीय इंजीनियरिंग का मिश्रण होंगे। इस घोषणा के बारे में, काइनेटिक ग्रीन की फाउंडर और सीईओ डॉ. सुलज्जा

फिरोदिया मोटवानी ने कहा कि हम अपने नए बॉर्न-इलेक्ट्रिक स्कूटरों को लेकर बहुत उत्साहित हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में 10 साल से ज्यादा के अनुभव के साथ, हमने डिजाइन और इंजीनियरिंग में गहरी समझ हासिल की है। हमारी ई-लूना और हाल ही में लॉन्च स्कूटरों की सफलता हमें और प्रेरित करती है। हमने अब तक 80,000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स बेचे हैं, मजबूत उत्पादन सुविधाएँ बनाई हैं और देशभर में 400 डीलरों का नेटवर्क तैयार किया है। अब इटली की टोरिनो डिजाइन के साथ मिलकर हम इलेक्ट्रिक स्कूटरों को नया और आकर्षक रूप देंगे। थॉटफुल इंजीनियरिंग के आधार पर, हमारे नए स्कूटर स्टाइलिश और भविष्य के लिए तैयार होंगे, और ये ग्राहकों को शानदार अनुभव देंगे। इस विस्तार का पहला मॉडल एक प्रीमियम, स्टाइलिश और तकनीकी रूप से उन्नत फैमिली स्कूटर होगा, जिसे 2025 के त्योहारी सीजन से पहले लॉन्च किया जाएगा। यह स्कूटर रेट्रो लुक और यूजर की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

अमेजन बिजनस ने प्राइम डे पर की आकर्षक डील्स की घोषणा

रांची। अमेजन बिजनस 14 तक अपने बिजनस कस्टमर के लिए इस प्राइम डे पर कुछ आकर्षक डील्स की घोषणा करता है। पहली बार, प्राइम डे 72 घंटे का शॉपिंग सेलीब्रेशन होगा, जिसमें बिजनस कस्टमर्स लैपटॉप, टैबलेट, हेडफोन, एसी, कूलर, पंखे, ऑफिस फर्नीचर, किचन एप्लायसेंस एवं इंडस्ट्रीयल सप्लाई जैसे विभिन्न उत्पादों आकर्षक डील्स का फायदा उठा सकते हैं। ग्राहक विभिन्न श्रेणियों में बल्क खरीदारी करने पर 20प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट का भी लाभ उठा सकते हैं और अपने प्रीपेड ऑर्डर पर एलिजबल श्रेणियों में 9,999 रुपये तक का कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। इस प्राइम डे पर इन शानदार डील्स का लाभ उठाने के लिए अमेजन बिजनेस पर जाना ना भूलें। टैबलेट और लैपटॉप की बल्क खरीद पर 65प्रतिशत तक की छूट पाएँ। डेल गेमिंग जी15-5530, इंटेल कोर आई5--13450एचएक्स प्रोसेसरः इस लैपटॉप की शानदार पोर्टेबिलिटी इसे घर में या यात्रा के दौरान के लिए एक परफेक्ट सहयोगी बनाती है। इसका आकर्षक डिजाइन आपके बैग में आसानी से आ जाता है। यह इंटेल कोर आई5 प्रोसेसर, एनवीडिया जीफोर्स आरटीएक्स 3050-6जीबी, 16जीबी रैम, 512 जीबी एसएसडी, 15.6 इंच डिस्प्ले के साथ आता है। पहले इसका अधिकतम खुदरा मूल्य, 1,03,146 था, लेकिन अब बिजनस कस्टीमर इसकी बल्क खरीद पर इसे सिर्फ 63,854 प्रति पीस की दर से खरीद सकते हैं।

हुंडई की नई कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी पेश करने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में हुंडई मोटर कंपनी अपने कदम तेजी से बढ़ा रही है। इसी क्रम में कंपनी एक नई कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी को पेश करने की तैयारी कर रही है। अटकलें हैं कि इसे सितंबर में होने वाले म्यूनिख मोटर शो में कॉन्सेप्ट के तौर पर प्रदर्शित किया जा सकता है। यह शो 9 से 14 सितंबर के बीच आयोजित होगा। माना जा रहा है कि यह नया मॉडल हुंडई इंस्टर ईवी से ऊपर और कोना से नीचे पोजिशन किया जाएगा, जो कॉम्पैक्ट सेगमेंट के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को आयोनिक 2 नाम से लॉन्च किया जा सकता है और यह किआ की ईवी2 के साथ प्लेटफॉर्म साझा कर सकती है। इसे हुंडई के ई-जीएमपी प्लेटफॉर्म के छोटे वर्जन पर तैयार किया जाएगा, जिसमें सिंगल मोटर लेआउट दिए जाने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, यह एसयूवी हुंडई की पहली गाड़ी हो सकती है जिसमें एंड्रॉयड ऑटोमोटिव बेस्ड प्लियोस कनेक्ट इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा।

जीवन बीमा निवेश की बजाय सुरक्षा को देगा प्राथमिकता

जमशेदपुर। भारत में जीवन बीमा सुरक्षा के बढ़ते अंतर को दूर करने के लिए, जो अब 87% और युवाओं में 90% से अधिक है, बीमा जागरूकता समिति ने अपने राष्ट्रीय अभियान, 'सबसे पहले जीवन बीमा' का अगला चरण शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य जीवन बीमा को वित्तीय सुरक्षा की दिशा में पहला कदम बनाकर वित्तीय नियोजन व्यवहार को नया रूप देना है। भारत के सभी 24 जीवन बीमाकर्ताओं द्वारा समर्थित यह अभियान, जीवन बीमा की तत्काल आवश्यकता को उजागर करने के लिए भावनात्मक रूप से प्रभावशाली कहानियों पर केंद्रित है। यह बुनियादी वित्तीय सुरक्षा की उपेक्षा करते हुए धन-सृजन पर केंद्रित पारंपरिक दृष्टिकोण को चुनौती देता है। अभियान के एक केंद्रीय भाग में उपयोगकर्ताओं को कवरेज आवश्यकताओं का आकलन करने में मदद करने के लिए एक नया डिजिटल ज्ञान पोर्टल शामिल है। शहर के विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं और छोटे व्यवसाय मालिकों को सुरक्षा-प्रथम योजना के महत्व के बारे में शिक्षित करना इस अंतर को पाटने की कुंजी है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच के लिए IRDAI के अधिदेश का पूरक है और ऐसे समय में शुरू की गई है जब जीवन बीमा क्षेत्र 9.5% चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर की दर से बढ़ रहा है—जो वैश्विक औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। 96.82% की दावा निपटान दर के साथ, उद्योग लगातार जनता का विश्वास हासिल कर रहा है।

सोने की कीमतों में तेजी के संकेत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतें फिलहाल कंसोलिडेशन फेज में हैं, जो आमतौर पर आगे कीमतों में तेजी की संभावनाओं का संकेत होता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने में तेजी की शुरूआत संभावित है, बशर्ते कुछ अहम वैश्विक घटनाएं इसके पक्ष में रहें। रिपोर्ट के अनुसार आगामी समय में सोने की दिशा दो प्रमुख फैक्टर्स तय करेंगे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति और डॉलर इंडेक्स का मूवमेंट। फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ रही है, खासकर जब अमेरिका में महंगाई और मंदी को लेकर चिंता बनी हुई है। ट्रंप प्रशासन ने फेड से 300 बेसिस प्वाइंट की कटौती की मांग की है। जिससे उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक नरम रुख अपनाएगा। दूसरी ओर, डॉलर इंडेक्स इस समय 97.00 पर है और इसमें पिछले छह महीनों में लगभग 10 फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगर इसमें और कमजोरी आती है तो सोने को मजबूत सहारा मिल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोने को तकनीकी समर्थन 3,297 और 3,248 डॉलर प्रति औंस पर मिल सकता है।

अमेजन प्राइम डे 2025 शुरू

रांची। उलटी गिनती आधिकारिक रूप से शुरू हो चुकी है। अब बस 24 घंटे बाकी हैं और अमेजन इंडिया अपने साल के सबसे बहुप्रतीक्षित शॉपिंग फेस्टिवल, प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है, खासतौर पर प्राइम मेंबर्स के लिए। 12 जुलाई को रात 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई को रात 11:59 बजे तक, ग्राहक 72 घंटे तक स्मार्टफोन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, ग्रॉसरी सहित कई श्रेणियों में सबसे बेहतरीन डील्स, शानदार लॉन्च और अब तक की सबसे तेज डिलीवरी स्पीड का आनंद उठा सकेंगे। प्राइम डे 2025 धमाकेदार डील्स और नए प्रोडक्ट लॉन्च प्राइम डे के दौरान भाग लेने वाले विक्रेताओं और ब्रांड्स से ग्राहक यहां विभिन्न कैटेगरीज में बेहतरीन डील्स का लाभ उठा सकते हैं। स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीजः वनप्लस 13: स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर, 50एमपी हसलब्लैड ट्रिपल कैमरा सिस्टम और 2के प्रोएक्सडीआर डिस्प्ले के साथ फ्लैगशिप परफॉर्मेंस का अनुभव लें। आईपी 69 रेटिंग, 6000 एमएएच बैटरी और 100 वॉट वायर्ड $ 50 वॉट वायरलेस फास्ट चार्जिंग के साथ यह पावरफुल स्मार्टफोन अब 59,999 रुपये की नेट इफेक्टिव कीमत पर उपलब्ध है।

मारुति सुजुकी की ब्रेजा बनी नंबर-1 कॉम्पैक्ट एसयूवी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की ब्रेजा एसयूवी ने पंच, नेक्सन और फ्रॉक्स जैसी लोकप्रिय गाड़ियों को पछाड़ते हुए 14,507 यूनिट्स की बिक्री की। यह आंकड़ा पिछले साल जून 2024 के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा है, जब इसकी 13,172 यूनिट्स बिकी थीं। ब्रेजा न सिर्फ अपने सेगमेंट में अव्वल रही बल्कि पूरे देश में तीसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार भी बनी, जो सिर्फ हुंडई क्रेटा और मारुति डिजायर से पीछे रही। इस कामयाबी के पीछे इसका दमदार 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन है, जो 101बीएचपी ताकत और 136 एनएम टॉर्क देता है। इसमें 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के विकल्प हैं।

हिट लिस्ट का धमाकेदार प्रीमियर सिर्फ जी एक्शन पर

एजेंसी

मुंबई। अपनों की हिफाजत के लिए एक आम इंसान कहाँ तक जा सकता है? और जब इंसाफ की लड़ाई निजी बदले में बदल जाए, तो क्या सही और गलत में फर्क रह जाता है? जी एक्शन लेकर आ रहा है ऐसी ही एक जबर्दस्त इमोशनल थ्रिलर हिट लिस्ट का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, मंगलवार 15 जुलाई को शाम 7:30 बजे। सूर्या कथिर कक्कल्लर और के. कार्तिकेयन के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिर्फ एक क्राइम ड्रामा नहीं है, यह एक सीधी टक्कर है नाइंसाफी से। यह एक ऐसा खेल है, जिसमें हर चाल के साथ खुलते हैं राज और उभरते हैं छुपे हुए जज्बात। इस

फिल्म में आर. सरथकुमार एक सख्त और जिम्मेदार पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आएँगे। वहीं विजय कनिष्क अपनी पहली फिल्म में ही ऐसी छाप छोड़ते हैं, जो एक नए सितारे के आने का एहसास कराती है। फिल्म हिट लिस्ट एक आम और अहिंसक इंसान की कहानी है, जिसकी ज़िंदगी तब बदल जाती है, जब एक नकाबपोश उसकी माँ और बहन को अगवा कर लेता है। और अपनों को बचाने के लिए वह फँस जाता है एक ऐसे खेल में, जहाँ हर कदम पर खुलते हैं चौंकाने वाले राज और गहराता है नकाबपोश की पहचान का रहस्य।

स्थानीय यात्राओं और बाहर खाने में रांची सबसे आगे

▶ होम क्रेडिट इंडिया की स्टडी दि ग्रेड इंडियन वॉलेट 2025 में हुआ खुलासा

रांची। होम क्रेडिट इंडिया, एक अग्रणी कनज्यूमर फाइनेंस कंपनी, ने आज अपनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025' के तीसरे संस्करण के निष्कर्षों का अनावरण किया। इस वर्ष के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि निम्न मध्यम वर्ग के भारतीयों की वित्तीय बेहतरी के दृष्टिकोण में एक परिवर्तनकारी बदलाव आया है। 'मैपिंग इंडियाज एस्पिरेशन्सः द ड्रीम्स इन एवरी वॉलेट' की थीम के साथ, यह अध्ययन देश के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और एक लचीले, आशावादी और तेजी से डिजिटल हो रही आबादी की तस्वीर पेश करता है, जो न केवल जीवंत है, बल्कि अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए फल-फूल रहा है। यह अध्ययन वित्तीय बेहतरी के सूचकांक से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ-साथ आय, व्यय, वॉलेट शेयर, आकांक्षाओं और विवेकाधीन खर्च पर विस्तृत डेटा का लाभ उठाते हुए, पूरे देश में उपभोक्ताओं के वित्तीय जीवन की एक झलक प्रदान करता है। अध्ययन के अनुसार, देश की वित्तीय नब्ज मजबूत बनी हुई है, उपभोक्ता बढ़ती लागतों के अनुकूल होते हुए व्यावहारिक योजना और तेजी से महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण प्रदर्शित कर रहे हैं। यह भावना विशेष रूप से शिक्षा, नौकरी के अवसरों और किफायती ऋण की इच्छा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर उनके ध्यान में स्पष्ट है। होम क्रेडिट इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी, आशीष तिवारी ने कहा, जब हमने 2023 में 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट स्टडी' शुरू की, तो हम भारत की वित्तीय धड़कन को समझना चाहते थे। हमने जो पाया वह चुपचाप क्रांति की ओर बढ़ता एक देश था - लाखों परिवार बाधाओं को सीढ़ी में, चुनौतियों को अवसरों में बदल रहे थे।₹ उन्होंने आगे कहा, इस साल के निष्कर्ष कुछ असाधारण बातें बताते हैंः आर्थिक बाधाओं के बावजूद, भारत का निम्न मध्यम वर्ग पहले से कहीं अधिक आशावादी, अधिक डिजिटल और अधिक दृढ़ है। उनका वित्तीय अनुशासन, उद्यमशीलता की भावना और अगली पीढ़ी की समृद्धि के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमें नवाचार करने और उनकी जिंदगी हिट बनाने में सच्चे भागीदार बनने के लिए प्रेरित करती है।

रांची का अनूठा वित्तीय परिदृश्य

रांची के निवासी एक स्वस्थ वित्तीय संतुलन बनाए हुए हैं, जहाँ औसत मासिक आय ?28,000 है और खर्च 17,000 है जो 2025 में 59% निवासियों को बचत करने के लिए सक्षम बनाता है। आवश्यक खर्च समान रूप से वितरित होते हैंः 31% किराने के सामान पर और 15% प्रत्येक किराए और बच्चों की शिक्षा पर खर्च होता है। गौरतलब है कि मासिक चिकित्सा खर्च 3,094 हैं।

भारत अन्य देशों की तुलना में ज्यादा तेजी से कर रहा भुगतान : आईएमएफ

▶ यूपीआई प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि भारत दुनिया में अन्य देशों की तुलना में ज्यादा तेजी से भुगतान कर रहा है। इसकी वजह देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो रहा है। इंटरऑपरेबिलिटी का मूल्य शीर्षक वाले नोट के मुताबिक 2016 में अपनी शुरूआत के बाद से देश में यूपीआई तेजी से बढ़ा है, जबकि नकदी के इस्तेमाल में गिरावट आना शुरू हो गई है। यूपीआई अब प्रति माह 18 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस करता है और भारत में अन्य इलेक्ट्रॉनिक खुदरा भुगतानों में अग्रणी है। नोट में कहा गया कि यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। इस प्लेटफॉर्म से मिले सबूत बताते हैं कि इंटरऑपरेबिलिटी यूजर्स के डिजिटल भुगतान के अनुभव को बेहतर बना सकती है और इससे नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की दर में भी इजाफा हो सकता है। आईएमएफ ने नोट में कहा कि इंटरऑपरेबिलिटी सीधे तौर पर यूजर्स को अपना पसंदीदा ऐप चुनने की आजादी देती है, जिससे वे उपलब्ध ऐप्स की विविधता और गुणवत्ता का पूरा लाभ उठाते हैं।

आई फ्लू से आंखों में हो रही है जलन और दर्द

अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

मानसून का मौसम चिलचिलाती गर्मी से राहत तो दिलाता है, लेकिन इस मौसम में लोग कई संक्रमण और बीमारियों से परेशान रहते हैं। इस मौसम में ह्यूमिडिटी के कारण कई तरह की बीमारियों और इन्फेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है। यह मौसम त्वचा, पेट, आंखों के लिए समस्या बढ़ा सकती है। मानसून से जुड़ी बीमारी आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस देश के अधिकतर हिस्सों में बढ़ती जा रही है । इसे पिंक आई इन्फेक्शन के नाम से भी जाना जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो इससे छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपना सकते हैं।

गुलाब जल

गुलाब जल में एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। यह आई फ्लू से छुटकारा पाने के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। गुलाब जल आंखों को साफ करता है और ठंडक पहुंचाता है। आप अपने दोनों आंखों में गुलाब जल की बूंदें डालें और एक-दो मिनट तक अपनी आंखें बंद कर लें। इससे आपके आंखों को आराम मिलेगा। दर्द और जलन से तुरंत राहत महसूस करेंगे।

आलू

आलू आंखों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसकी तासीर ठंडी होती है, यह आंखों की जलन को शांत करता है। इसमें मौजूद गुण आंखों की संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं। इसके लिए सबसे आलू को धो लें, फिर इसे पतले टुकड़ों में काट लीजिए। रात को सोने से पहले आलू के टुकड़ों को अपनी आंखों पर रखें। लगभग 10-15 मिनट आंखों पर रखें, फिर हटा दें। इससे आंखों की सूजन और दर्द से भी आराम मिलेगा।

हल्दी

हल्दी में औषधीय गुण पाए जाते हैं। यह मसाला एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। यह शरीरिक संबंधी कई समस्या को दूर करने में कारगर है, लेकिन क्या आप जानते हैं, हल्दी आंखों के संक्रमण को रोकने में भी मदद कर सकती है। जी हां, यह आंखों के लिए बेहद गुणकारी है। आंखों पर इसका इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहल गर्म पानी कर लें। इसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर मिलाएं। जब यह पानी गुनगुना हो जाए, तो इस पानी में रुई भिगोकर उससे अपनी आंखों को पोंछ लें। इससे आंखों के आसपास की गंदगी साफ हो जाएगी और आप संक्रमण से बच जाएंगे।

तुलसी

तुलसी में एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। जो आंखों को संक्रमण से बचाते हैं। आंखों के लिए तुलसी का उपयोग करने के लिए तुलसी के पत्तों को रात भर पानी में भिगो दें और अगले दिन इस पानी से अपनी आंखें धो लें। यह प्रक्रिया 3-4 दिनों तक लगातार करें। इससे आपको दर्द और जलन में फर्क महसूस होगा।

ग्रीन टी बैग्स

ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होती है। यह आंखों की दर्द और सूजन कम करने में मदद कर सकती है। आंखों पर इस्तेमाल करने के लिए ग्रीन टी के बैग्स को गुनगुने पानी में डालें और इसे आंखों पर कुछ देर के लिए रखें। चाहें तो आप इन टी बैग्स को फ्रिज में कुछ देर रखकर ठंडा कर लें और इसे अपनी आंखों पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

सावन में करें वास्तु के ये उपाय

सावन माह भगवान भोलेनाथ की पूजा-आराधना के लिए बेहद शुभ समय माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि सावन में शिवजी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती है और जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। वास्तु में सावन माह से जुड़े कुछ उपाय बताए गए हैं। कहा जाता है कि सावन में वास्तु के इन उपायों को अपनाने से जीवन के सभी कष्टों से छुटकारा मिलता है और धन, सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। आइए जानते हैं सावन में शिवजी की कृपा पाने के वास्तु उपाय...

सुख-सौभाग्य में होगी वृद्धि

भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय

वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाने के लिए सावन माह में पति या पत्नी को शिवजी की पूजा-आराधना करना चाहिए और शिवलिंग पर पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मैरिड लाइफ की दिक्कतें दूर होती है।

भगवान शिव को बेलपत्र और बेल का पौधा अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र अर्पित करना चाहिए। साथ ही उत्तर-पूर्ण दिशा में बेल का पौधा लगाना चाहिए। मान्यता है कि इससे घर में दरिद्रता नहीं आती है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

वास्तु के अनुसार, सावन माह में घर के उत्तर दिशा में शिव परिवार की तस्वीर लगाना चाहिए, लेकिन शिव ताडंव मुद्रा या शिवजी के क्रोध वाली तस्वीर लगाने से बचना चाहिए। सावन माह में घर में शिवलिंग स्थापित करना बेहद शुभ माना गया है। हालांकि, शिवलिंग स्थापित करते समय दिशा का खास ध्यान रखें। घर के उत्तर-पूर्व दिशा में शिवलिंग स्थापित करना शुभ होता है। मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सावन में घर के मुख्यद्वार पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं। इस माह में रोजाना शिव मंदिर जाएं। शिवलिंग पर बेलपत्र और जल अर्पित करें। मान्यता है कि ऐसा करने से शिवजी प्रसन्न होते हैं और भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

सपने में दिखाई दे हाथी तो समझिए खुलने वाली है आपकी किस्मत

नींद और सपने में गहरा नाता है। रात में सोते समय ज्यादातर लोगों को सपने आते हैं। कुछ सपने अच्छे होते हैं तो कुछ सपनों का तजुर्बा खराब होता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर सपने का कोई न कोई मतलब जरूर होता है। सपने में दिखाई देने वाली हर चीज का आपके जीवन से संबंध जरूर होता है। सपने में जो भी कुछ दिखाई देता है, स्वप्न शास्त्र के अनुसार उसके अपने मायने हैं। अगर आपको सपने में हाथी दिखाई देता है तो इसका भी एक खास मतलब है। हाथी को ऐश्वर्य और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। हाथी का सपना देखना बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर में सुख-शांति आने का सूचक माना जाता है। स्वप्न शास्त्र से जानते हैं कि सपने में हाथी देखने का क्या मतलब होता है।

सुख समृद्धि का संकेत देता है हाथी

स्वप्न शास्त्र के अनुसार सपने में हाथी देखना बहुत शुभ बताया गया है। हाथी प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और ऐश्वर्य का प्रतीक है। सपने में हाथी दिखाई देने का अर्थ है कि आपको जल्द ही मान-सम्मान का लाभ होने वाला है। अगर आप सपने में खुद को हाथी पर सवार देखते हैं,तो इसका मतलब है कि आपको जल्दी तरक्की मिलने वाली है। खासतौर से सपने में अगर ऐरावत हाथी दिखाई दे,तो यह किसी बड़ी उपलब्धि का सूचक माना जाता है। इस उपलब्धि की वजह से समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा और आपके वैभव में वृद्धि होगी। वहीं सपने में हाथी-हथिनी का जोड़ा दिखाई देता है तो इसका मतलब है कि दांपत्य जीवन में खुशियां आने वाली हैं। हाथी को धन लाभ का सूचक माना जाता है। हाथी माता लक्ष्मी के पसंदीदा प्राणी में से एक है। अगर कोई गर्भवती महिला अपने सपने में हाथी देखती है,तो ये एक भाग्यशाली संतान होने का सूचक समझा जाता है। मस्त झूमते हुए हाथी का सपना देखने का मतलब है कि आपको जल्द अपनी सभी समस्याओं से छुटकारा मिलने वाला है। सपने में हाथियों का झुंड दिखाई देना आकस्मिक धन लाभ का संकेत देता है।

किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं ?

तो इन चीजों को खाने की कभी न करें गलती

किडनी की बीमारी शरीर के लिए बहुत घातक हो सकती है। यही वजह है कि जिन लोगों को किडनी की समस्या होती है, उन्हें खाने में बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। लोगों की तरफ से भी अलग-अलग चीजों को खाने और नहीं खाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये उठता है कि आखिर किन चीजों को खाना और किनसे परहेज करना है। अगर किडनी को स्वस्थ रखना है, तो कुछ खास भोजन से परहेज करना चाहिए। इसमें ज्यादा सोडियम वाला खाना, प्रोसेस्ड मीट, कार्बोनेडेटेड ड्रिंक्स जैसी चीजें शामिल हैं। किडनी की समस्या होने पर अपनी डाइट को सही रखना जरूरी होता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए आइए आपको उन 8 चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें आपको खाने से बचना चाहिए।

अचार: भले ही आपको कितनी भी तलब लगे, लेकिन आपको अचार खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है।

प्रोसेस्ड मीट: स्वाद को बेहतर बनाने के लिए प्रोसेस्ड मीट में बहुत ज्यादा नमक और प्रिजर्वेटिव डाले जाते हैं। ज्यादा मीट खाने से किडनी पर जोर पड़ता है।

नमक: खाने में बहुत ज्यादा नमक होने की वजह से आपको हाई ब्लड प्रेशर से जूझना पड़ सकता है, जो किडनी पर भी दबाव डालता है। फास्ट फूड, पैकेट वाले खाने से भी बचना होगा।

हाई प्रोटीन वाला खाना: अगर आप किडनी की समस्या से परेशान हैं, तो आपको ज्यादा प्रोटीन वाला भोजन नहीं करना चाहिए। दाल, बीन्स और अन्य हाई प्रोटीन वाले भोजन से दूरी बना लें।

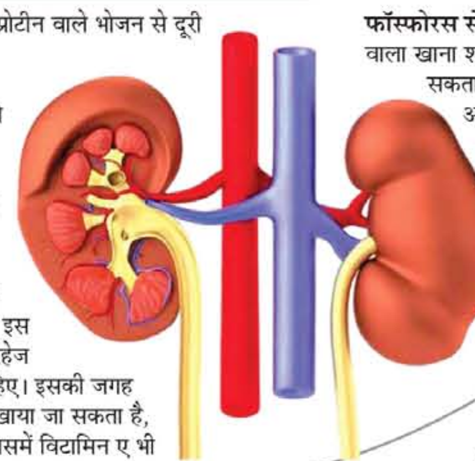

केले: केले में प्रचुर मात्रा में पोटैशियम होता है, इसलिए किडनी के मरीजों को इस फल से परहेज करना चाहिए। इसकी जगह अनानास खाया जा सकता है, जिसमें विटामिन ए भी होता है।

आलू: आलू में बड़ी मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है। इसलिए इसे खाने से परहेज करना चाहिए। अगर आपको आलू खाना ही है, तो फिर इसे रातभर पानी में भीगोकर रखें।

मीठे ड्रिंक्स: मीठे सोडा और कोला पीने से बचना चाहिए, क्योंकि इसमें फॉस्फेट होता है, जो पथरी की वजह बन जाता है। इनमें मौजूद फ्रुक्टोज भी किडनी के लिए खतरनाक है।

फॉस्फोरस से भरपूर फूड: ज्यादा फॉस्फोरस वाला खाना शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। डेयरी, नट्स, साबुत अनाज और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स जैसे खाने से बचना चाहिए या फिर उनका कम मात्रा में सेवन करना चाहिए।

पढ़ा हुआ भूल जाता है आपका बच्चा?

ये स्टडी टिप्स करें फॉलो

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए पैरेंट्स उनकी पढ़ाई का खास ध्यान रखते हैं। कुछ बच्चे पढ़ने में काफी तेज होते हैं, तो कुछ की मेमोरी थोड़ी वीक होती है। ऐसे में वे पढ़ी हुई चीजें जल्दी भूल जाते हैं। अगर आपका बच्चा भी पढ़ने के बाद कोर्स भूल जाता है,तो ये स्टडी टिप्स आपके बेहद काम आ सकती हैं। कई बार पढ़ते समय बच्चों को चीजें याद रहती हैं मगर किताब बंद करने के बाद बच्चे पढ़ा हुआ टॉपिक भूल जाते हैं, जिसके चलते उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं कुछ आसान स्टडी टिप्स, जिसे ट्राई करके आप बच्चों की मेमोरी पावर को स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं।

पढ़ाई को एन्जॉय करें

बच्चे को पढ़ाते समय आप कुछ इंट्रेस्टिंग टिप्स और ट्रिक्स ट्राई कर सकते हैं। इससे बच्चों को पढ़ाई बोझ नहीं लगेगी और बच्चा पढ़ते समय बोर भी नहीं होगा। साथ ही मजेदार तरीके से पढ़ाने पर बच्चा टॉपिक में दिलचस्पी लेने लगेगा और कई घंटो तक आराम से पढ़ाई करेगा।

उदाहरण दें :- अगर बच्चे को पढ़ी हुई चीजें ज्यादा देर तक याद नहीं रहती हैं,तो ऐसे में बच्चे को समझाने के लिए आप उदाहरण की मदद ले सकते हैं। वहीं बच्चों को रियल लाइफ के उदाहरण देना बेस्ट होता है। इससे बच्चा टॉपिक को अच्छी तरह से कनेक्ट कर लेता है और वो टॉपिक बच्चे को लम्बे समय तक याद रहता है। ऐसे में बच्चे को पढ़ाते समय नॉर्मल रीडिंग की बजाए उदाहरण देकर समझाना बेहतर रहता है।

डिकोडिंग है जरूरी :- कई बार बच्चे आगे का पढ़ते हुए पीछे के टॉपिक्स भूल जाते हैं। ऐसे में बच्चे को सिर्फ पढ़ाना काफी नहीं है। रीडिंग करवाने के बाद बच्चों को टॉपिक याद करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों से वो टॉपिक लिखवाने और सुनने की कोशिश करें। जिससे बच्चों का रिवीजन हो जाएगा और बच्चा पढ़ी हुई चीजों को कई दिनों तक नहीं भूलेगा।

लगातार पढ़ाने से बचें :- कई बार पेरेंट्स जोश में आकर बच्चे को कई घंटों तक लगातार पढ़ाने लगते हैं। ऐसे में कुछ समय बाद बच्चों का दिमाग सुस्त हो जाता है और बच्चों को टॉपिक पूरी तरह से समझ में नहीं आता है। इसलिए हर एक घंटे पर बच्चों को कुछ समय का ब्रेक दें। साथ ही इस दौरान उन्हें फिजिकल एक्टिविटी और पानी पीने की सलाह दें। जिससे बच्चे फिर से रिफ्रेश हो जाएंगे और अच्छे से पढ़ाई कर सकेंगे।

कैसे करें अपने कान की सफाई?

आजकल कान साफ करने के लिए बाजार में तरह तरह के कॉटन बड्स आ गए हैं। कान में गंदगी चली जाए या फिर ईयरवैक्स जमा हो जाए तो लोग आमतौर पर इन कॉटन बड्स से कान को साफ करते हैं। हालांकि पहले लोग माचिस की तीली या पतली लकड़ी से कान साफ करते थे,लेकिन इससे कान का पर्दा फटने का डर रहता है। इसीलिए मार्केट में कॉटन बड्स आ गए हैं जिन्हें कान की सफाई के लिए मुफीद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिन कॉटन बड्स से आप कान की सफाई कर रहे हैं वो आपके शरीर को नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। चलिए आज जानते हैं कि कान की सफाई के लिए यूज होने वाले कॉटन बड्स कैसे खतरनाक साबित हो सकते हैं।

कॉटन बड्स के नुकसान

हैल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि कॉटन बड्स से कान को साफ करना गलत चीज है। ये कॉटन बड्स कान की सफाई के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। दरअसल कान में गंदगी और इयरवैक्स जमा होने पर जब हम कॉटन बड्स को कान में डालते हैं तो ये गंदगी निकालने की बजाय गंदगी को कान के अंदर की तरफ धकेल देते हैं। इससे गंदगी कान के और अंदर चली जाती है और वहां जाकर संक्रमण का कारण बन जाती है। इससे इयर इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

ईयर कैनाल में गंदगी भरने का खतरा

दरअसल जब हम कान में कॉटन बड्स डालते हैं,तो गंदगी कान की ऊपरी परत से खिसक कर ईयर कैनाल में चली जाती है जहां गंदगी जाने पर सबसे पहले संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ईयर कैनाल में अगर संक्रमण हो जाए तो कान के परदे को भी खासा नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा अगर आपके कान में थोड़ा इयरवैक्स बन रहा है तो उसे इग्नोर करना चाहिए क्योंकि ये ईयरवैक्स दरअसल आपके कान को बाहरी चीजों से प्रोटेक्ट करता है। डॉक्टर कान की सफाई के लिए कॉटन बड्स के इस्तेमाल की मनाही करते हैं। देखा जाए तो रोज नहाते वक्त कान खुद ब खुद साफ हो जाते हैं। ये शरीर का मैकेनिज्म है कि कान का ईयरवैक्स समय समय पर खुद ही निकल जाता है, लेकिन अगर ज्यादा गंदगी है तो भी आपको कॉटन बड्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर आपको कान साफ करना है तो आप कान में तेल की कुछ बूंदें डालकर छोड़ दीजिए। आप चाहें तो बेबी ऑयल इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद कान को रुई से ढक लीजिए। कुछ ही देर में कान का मैल या ईयरवैक्स तेल के साथ बाहर आ जाएगा।

बरसात में खुद को डिहाइड्रेशन से बचाएं

बारिश के मौसम में स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहने की आवश्यकता होती है। इस मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार ये मौसमी बीमारियां गंभीर हो जाती हैं, जिसके कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में पानी के संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है। जिसके कारण पेट को गंभीर बीमारी, हैजा, कॉलरा, निर्जलीकरण और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आइए आज हम आपको निर्जलीकरण के लक्षण और बरसात के मौसम में खान पान को लेकर बरती जाने वाली सावधनियां बताते हैं।

डिहाइड्रेशन के लक्षण

भूख-प्यास का बढ़ना, मुंह से दुर्गंध आना, सिरदर्दद और आलस महसूस होना, यूरिन का रंग गाढ़ा पीला होना, त्वचा का सूखना, होठों में पपड़ियां जमना।

डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए?

बरसात के मौसम में ह्यूमिडिटी के कारण सूक्ष्म जीव, बैक्टीरिया, यीस्ट, आदि पनपने लगते हैं। इस सीजन में बाहर का खाने और संक्रमित पानी पीने से टाइफाइड, हैजा और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल जैसे रोगों के कारण आमतौर पर दस्त और उल्टी होने लगती है। जिसके परिणामस्वरूप शरीर में तरल पदार्थ की कमी होती है। ऐसी स्थिति में अगर कोई व्यक्ति पानी और अन्य हाइड्रेटिंग तरल पदार्थ नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ, या ओआरएस नहीं ले रहा है, तो इससे शरीर में गंभीर निर्जलीकरण और मिनरल्स का असंतुलन हो सकता है। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण से पीड़ित व्यक्ति को अगर दिन में 10 से 20 बार से अधिक अत्यधिक बार मल त्याग या उल्टी हो रही हो, तो उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यदि उसकी दस्त और उल्टी कम नहीं होती है, तो व्यक्ति को उचित एंटीबायोटिक लेने के लिए डॉक्टर के पास जाने की ज़रूरत होती है।

काले मसूड़े का करें इलाज

मसूड़े आमतौर पर गुलाबी होते हैं, लेकिन कभी-कभी उन पर काले या गहरे भूरे रंग के धब्बे मसूड़े पर इंफेक्शन होते हैं। कई चीजें इसका कारण हो सकती हैं। उनमें से अधिकांश इंफेक्शन काफी खतरनाक नहीं हैं। हालांकि, कभी-कभी काले धब्बे अधिक गंभीर स्थिति का संकेत दे सकते हैं। अगर आपको ऐसी बीमारी से बचना है,तो आपको मसूड़ों पर अगर हल्का सा भी धब्बे दिखने लगते हैं तो डॉक्टर से मिलें। मसूड़ा में दर्द हो और रंग बदलने लगे तो आपको डॉक्टर से तुरंत सलाह लेनी चाहिए।

मसूड़े काले होने के कारण

जब शरीर में मेलानिन लेवल बढ़ने लगता है तो मसूड़े काले पड़ने लगते हैं। मेलानिन कि वजह स्किन का रंग बदल जाता है। जिन लोगों का स्किन सांवला होता है तो उनके मसूड़े का रंग हल्का काला पड़ने लगते है। यह नैचुरल तरीका है। अगर आपका रंग साफ होता है तो मसूड़े काले हो रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें। अगर आप कोई दवा खा रहे हैं तो इसके साइडइफेक्ट्स भी मसूड़ा पर धीरे-धीरे दिखने लगता है और उसका रंग काला पड़ने लगता है। स्ट्रेस, डिप्रेशन की दवाओं का सेवन करने वाले लोगों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है।

अल्सरेटिव जिंजिवाइटिस

अल्सरेटिव जिंजिवाइटिस की बीमारी में मसूड़ों में गंभीर बीमारी हो जाती है और मसूड़े काले पड़ने लगते हैं। यह एक तरह का इंफेक्शन होता है। इसमें मसूड़ों में दर्द, दुर्गंध, मसूड़े से खून आना शामिल है। यह एक लाइलाज बीमारी है जिसमें टिश्यूज काफी ज्यादा प्रभावित होते हैं। और मसूड़ों का रंग काला हो जाता है। जो व्यक्ति ज्यादा स्मोकिंग करता है उसके भी मसूड़े काले पड़ने लगते हैं। सिगरेट में मौजूद हानिकारक तत्व मसूड़े को धीरे-धीरे खराब करने लगती है। धूम्रपान करने से सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। धूम्रपान करने से मसूड़े पर इसके साइड इफेक्ट्स दिखने लगते है।

रवि किशन ने मीडिया के सवाल का भोजपुरी में दिया जवाब

अजय देवगन, मृणाल ठाकुर, संजय दत्त और रवि किशन स्टारर फ़िल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर लांच प्रेस कांफ्रेंस के साथ किया गया है। ट्रेलर लांचिंग के मौके पर अभिनेता व सांसद रवि किशन ने मीडिया के सवाल पर भोजपुरी में जवाब देकर सबको अचंभित कर दिया और सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने भोजपुरी में बोलकर सबके चेहरे पर मुस्कान बिखेर दिया। उनका भोजपुरी में बोला गया वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है,जिसमें एक रिपोर्टर रवि किशन से सवाल पूछते हुए कहती है कि 'जहां से आप आते हैं वहां मेरी नानी का भी नेटिव प्लेस है...'इस पर रवि किशन ने भोजपुरी में जवाब दिया है। बता दें कि रवि किशन बेबाक और हाजिर जवाबी के लिए जाने जाते हैं और वे हर सवाल का जवाब बड़ी सहजता से देते हैं, जिसकी हर कोई सराहना करता है। गौरतलब है कि 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है। 2 मिनट 56 सेकंड के 'सन ऑफ सरदार 2' के ट्रेलर में कई ऐसी पंचिंग लाइंस हैं,जिन्हें सुनकर आपको ये मन करेगा कि बस एडवांस बुकिंग अभी खुल जाए और आप तुरंत अपनी टिकट बुक कर लें। ट्रेलर की शुरुआत 2012 में रिलीज हुई 'सन ऑफ सरदार' के कुछ पुराने सीन से होती है। स्कॉटलैंड में सेट की गई इस फिल्म में अजय देवगन जस्सी के रूप में सभी को हंसाने के लिए तैयार हैं। इसमें मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा,साहिल मेहता,संजय दत्त और रवि किशन जैसे कई बेहतरीन सितारे नजर आ रहे हैं। वहीं 'सन ऑफ सरदार 2' के ट्रेलर में दिवंगत एक्टर मुकुल देव भी आखिरी बार नजर आए। ट्रेलर कन्फ्यूजन का भंडार जैसा लग रहा है। इसमें सभी कलाकारों ने अपने किरदार को बखूबी निभाया है। इस फिल्म को जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी-सीरीज ने निर्माण किया है। निर्देशक विजय कुमार अरोड़ा ने इसका निर्देशन किया है। इस फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा।

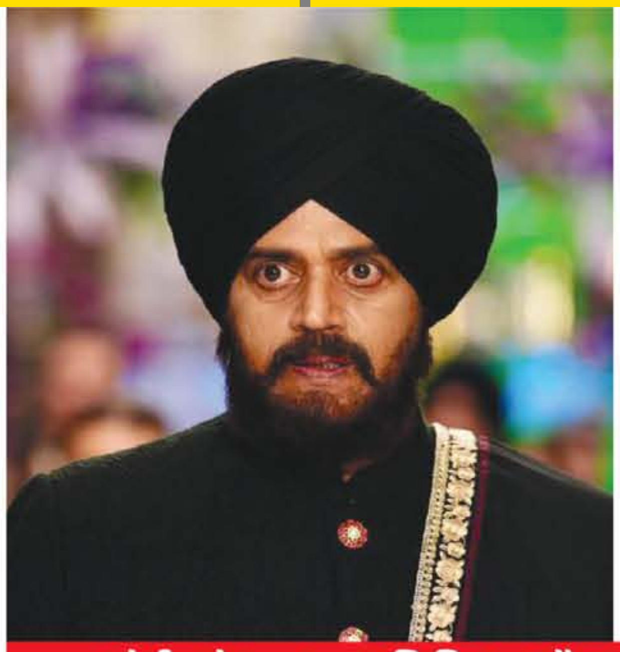

बिलकुल नए अवतार में नजर आयेंगे रवि किशन

अभिनेता और सांसद रवि किशन, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और विभिन्न भाषाओं में शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, अब 'सन ऑफ़ सरदार 2' में एक बिलकुल नए अवतार में नजर आने वाले हैं। अपने करियर में पहली बार वे पगड़ी पहनकर एक सरदार की भूमिका निभा रहे हैं। एक ऐसा किरदार जो खासकर उत्तर भारत में गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक गूंज रखता है। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रवि किशन ने अपनी इस भूमिका को लेकर उत्साह और निजी जुड़ाव साझा किया। उन्होंने कहा, "आपने मुझे कई किरदारों में देखा होगा, लेकिन सरदार के रूप में पहली बार देखेंगे। हमारे बिहार और यूपी के इलाके में, खासकर गोरखपुर जहां मेरी लोकसभा सीट है, वहां बहुत बड़ी सरदारों की आबादी है। 20–25 हजार से ज्यादा लोग हैं और दर्जनों गुरुद्वारे हैं। वहां की पूरी कम्युनिटी बहुत उत्साहित है और अब पूरा उत्तर भारत मुझे एक सरदार के रूप में देखेगा।"

लापता लेडीज के बाद यह रवि किशन और अजय देवगन की एक साथ सबसे बड़ी फिल्म

यह नया किरदार रवि किशन के बहुआयामी करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है,जो भोजपुरी, हिंदी, तेलुगु और दक्षिण भारतीय सिनेमा में फैला हुआ है। गंभीर ड्रामा, एक्शन या कॉमेडी हर भूमिका में वह गहराई और सच्चाई लाते हैं। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार पहले संजय दत्त के लिए लिखा गया था, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इस बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा "संजू बाबा को पहले ये रोल करना था, लेकिन वो नहीं हो पाया। जब अजय सर ने मुझे ऑफर किया तो मैं वाकई बहुत टेंशन में आ गया। डर लगा कि ये कैसे होगा। लेकिन अजय सर ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा 'रवि, तू कर लेगा'। उसी विश्वास ने मुझे ये रोल करने की ताकत दी।" फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "कॉमेडी तो बहुत देखी है, लेकिन इस फिल्म में एक अलग तरह की कॉमेडी है। जहां एक खूबसूरत कहानी आपके दिल को छूती है। ये फिल्म सिर्फ हंसाएगी नहीं, आपको भीतर तक छू जाएगी।" उन्होंने स्क्रिप्ट की तारीफ की, जिसने ह्यूमर और इमोशन के बीच शानदार संतुलन बनाया है और कहा कि फिल्म के किरदार और कहानी दर्शकों के दिलों में लंबे समय तक बनी रहेगी। इस फिल्म के जरिए रवि किशन न सिर्फ एक नया ऑन-स्क्रीन रूप लेकर आ रहे हैं, बल्कि उत्तर भारतीय दर्शकों से अपने जुड़ाव को भी और गहरा कर रहे हैं। एक ऐसी समुदाय को प्रतिनिधित्व देते हुए, जिसे मुख्यधारा के सिनेमा में शायद ही इतनी प्रमुखता से दिखाया गया हो। लापता लेडीज के बाद यह रवि किशन और अजय देवगन की एक साथ सबसे बड़ी फिल्म है।

'अव्यान' में नजर आयेंगी अनुष्का कौशिक

अनुष्का कौशिक, आज की युवा पीढ़ी की प्रतिभशाली अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी हैं। लस्ट स्टोरीज़ 2 हो या पटना शुक्ला, घर वापसी हो या गर्मी, अनुष्का हर बार अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेती हैं।अब इस प्रतिभाशाली अभिनेत्री का अगला पड़ाव है, सुनील कोठारी की स्पिरिचुअल फिल्म अव्यान, जिसमें अनुष्का का लुक और किरदार दोनों ही एकदम हटके होने वाला है।

अनुष्का ने कहा, 'अव्यान' का हिस्सा बनना मेरे लिए एक स्पिरिचुअल जर्नी जैसा रहा। स्क्रिप्ट पढ़ते ही दिल छू गई। कैसे ये कहानी रोज़मर्रा की छोटी-छोटी बातों को गहराई से जोड़ती है,वो बहुत खास है। बनारस जैसे शहर में शूट करना,उसकी एनर्जी और श्रद्धा के बीच काम करना वाकई विनम्र अनुभव था। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं जो हमारी संस्कृति को ईमानदारी और दिल से सेलिब्रेट करती है। सुनील कोठारी ने कहा,अनुष्का के अंदर एक सच्चाई है जो उनके हर किरदार में झलकती है। 'अव्यान' के लिए मैं किसी ऐसे चेहरे की तलाश में था जो ताकत और नाज़ुकता दोनों को साथ लेकर चल सके। मुझे पूरा भरोसा है कि दर्शक उन्हें इस फिल्म में एक नए अंदाज़ में देखेंगे और भूल नहीं पाएंगे।

साउथ की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म

IMDb रेटिंग 7.1, बॉक्स ऑफिस पर मचा रही है धमाल

साउथ की एक फिल्म आई है। इस फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 7.1 है। फिल्म के मेन लीड एक भिखारी का किरदार निभा रहे हैं और वह अमीर बिजनेसमैन से टक्कर लेते हैं। दिलचस्प बात ये है कि भिखारी का किरदार रजनीकांत के दामाद धनुष निभा रहे हैं और धनुष ने इस फिल्म में अपने करियर की सबसे बेहतरीन एक्टिंग की है। 'कुबेरा' में धनुष का अभिनय देखकर दर्शक हैरान हो गए हैं। इस फिल्म में उन्होंने देवा नाम के एक भिखारी का किरदार निभाया है। जब सेट पर धनुष भिखारी के गेटअप में नागार्जुन के सामने गए तो उन्हें धनुष को पहचानने में 2-3 मिनट का वक्त लगा गया। यह बात खुद नागार्जुन ने एक इंटरव्यू में कही थी। उन्होंने कहा था, "फर्स्ट डे जब मैं शूटिंग पर आया तो मुझे धनुष को ढूंढने में 2-3 मिनट लग गए। वो अपने किरदार में पूरी तरह घुल गए थे।"फिल्म ने बॉक्स

ऑफिस पर कमाल की सफलता पाई है। 'कुबेरा' का कुल कलेक्शन 134.52 करोड़ रुपये से ज्यादा है, जो इसे 2025 की चौथी सबसे बड़ी तेलुगू फिल्म बनाता है। 'कुबेरा' 18 जुलाई 2025 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। अमेजन प्राइम वीडियो ने इसके डिजिटल राइट्स 50 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। 'कुबेरा' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक मैसेज है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक भिखारी भी अमीर बिजनेसमैन के भ्रष्टाचार का सामना कर सकता है। निर्देशक शेखर कम्मुला ने कहा है कि यह फिल्म उन लोगों की कहानी है जिन्हें समाज अक्सर अनदेखा कर देता है।

जरीन खान ने पैप्स को पीछे से फोटो लेने से रोका

कहा- 'मुझे देखो मुझे, ये नहीं'

सोशल मीडिया पर इन दिनों कई वीडियो सामने आ रहे हैं जहां इंडस्ट्री सिलेब्स पैप्स की उनकी पीछे की तस्वीर लेने के लिए आलोचना करते हैं। कुछ सिलेब्स पैप्स को पीछे से वीडियो या तस्वीर लेने के लिए मना करते हैं। अब सलमान खान की एक्ट्रेस जरीन खान (वीर में निभाया था लीड रोल) का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जरीन खान पैप्स से अपने पीछे की ओर इशारा करते हुए कह रही हैं- मुझे देखो, मुझे, ये नहीं। Viral Bhayani ने अपने इंस्टाग्राम पर जरीन खान का ये वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में एक फैन जरीन के सामने कलाबाजी करती नजर आ रहा है। जरीन खान उस फैन की कलाबाजी खत्म होने के बाद उससे हाथ मिलाती हैं। इसके बाद जरीना जाने लगती हैं।

पद्मभूषण पंकज उधास की विरासत को श्रद्धांजलि स्वरूप खजाना गजलों का महोत्सव'

24 वर्ष पूर्व महान ग़ज़ल गायक पद्मभूषण पंकज उधास जी द्वारा आरंभ किया गया 'ख़ज़ाना – ग़ज़लों का महोत्सव', PATUT और CPAA की मदद के उद्देश्य से शुरू किया गया था। आज यह न सिर्फ़ एक समर्पित सांगीतिक परंपरा बन चुका है, बल्कि उभरते और स्थापित ग़ज़ल गायकों के लिए एक मंच भी बन गया है। इस वर्ष यह आयोजन पंकज उधास जी की पत्नी फ़रीदा पंकज उधास जी द्वारा उनकी स्मृति और उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए किया जा रहा है।

यह आयोजन भारत भर में कैंसर पीड़ितों और थैलेसेमिक बच्चों के इलाज हेतु एक महत्वपूर्ण फंडरेज़र बना हुआ है। इस वर्ष हमने CPAA की मानद संयुक्त सचिव रेखा सप्रू जी को भी खोया, जिन्होंने पंकज उधास जी के साथ मिलकर 'ख़ज़ाना' को एक घरेलू नाम बनाया।

इस वर्ष का 'ख़ज़ाना' आयोजन मोहम्मद रफ़ी साहब की जन्म शताब्दी को समर्पित एक विशेष श्रद्धांजलि के रूप में होगा, साथ ही उस्ताद ज़ाकिर हुसैन जी को भी एक विशेष प्रस्तुति के माध्यम से श्रद्धांजलि दी जाएगी। 'ख़ज़ाना ग़ज़लों का महोत्सव' 2025 मै महान ग़ज़ल गायक अनूप जलोटा, तलत अज़ीज़, रेखा भारद्वाज, सुदीप बनर्जी, उस्मान मीर, आमिर मीर, पं. अजय पोहनकर, अभिजीत पोहनकर, महालक्ष्मी अय्यर, प्रतिभा सिंह बघेल, बर्नाली चट्टोपाध्याय, कल्पना गंधर्व, हिमांशु शर्मा, राकेश चौरसिया, शिखर नाद कुरैशी, ओजस आधिया और संजॉय दास ये प्रमुख कलाकारों शामिल होंगे

'पंचायत 4' में गर्भवति खुशबू पर कमेंट करना सुनीता राजवार को पड़ा भारी

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुए 'पंचायत सीजन 4' को इसके पहले तीन सीजन की तरह ही खूब प्यार मिल रहा है। इस बार भी सीरीज के सभी कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया है। ऐसे में शो में क्रांति देवी का किरदार निभाने वाली सुनीता राजवार को खूब प्यार मिल रहा है। हालांकि, सुनीता को एक सीन के कारण लोगों की काफी नफरत भी झेलनी पड़ रही है। सुनीता ने बताया है कि उन्हें लोग गालियां दे रहे हैं। मैसेज में अभद्र बातें लिख रहे हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है

इस बात पर भड़का लोगों का गुस्सा

हिन्दुस्तान टाइम्स के अनुसार सुनीता राजवार ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लोग बहुत बुरी-बुरी गालियां दे रहे हैं, कह रहे हैं: 'आप एक गर्भवती खुशबू पर इतनी भद्दी टिप्पणी कैसे कर सकती हैं?' दरअसल, 'पंचायत 4' में सुनीता राजवार का चुनाव प्रचार के दौरान का एक सीन है।

हिंदी फिल्मों में नजर आएंगे 'स्क्विड गेम' के लीड एक्टर

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की मशहूर वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' के लीड एक्टर ली जुंग जी बॉलीवुड फिल्मों में काम करना चाहते हैं। एक इंटरव्यू में ली ने कहा कि अगर मुझे मौका दिया जाए तो बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगेगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई 'स्क्विड गेम' सुपरहिट रही थी जिसका दूसरा और तीसरा सीजन पिछले कुछ वक्त में रिलीज किया गया है। नेटफ्लिक्स की इस ऑरिजनल सीरीज को 10 में से 8 रेटिंग मिली हुई है जिसकी कहानी एक ऐसे खतरनाक खेल के बारे में है, जिसमें जीतने पर तो आपको बेहिसाब दौलत मिलती है, लेकिन हारने वाले को जान से मार दिया जाता है। इस खेल में सैकड़ों लोग हिस्सा लेते हैं, लेकिन कोई एक ही जीत सकता है, बाकी सभी को अपनी जान गंवानी पड़ती है।

ली ने बॉलीवुड में काम करने को लेकर कहा, "मुझे मौका मिले तो मैं बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनना पसंद करूंगा।" वेब सीरीज के लीड एक्टर ली ने सीजन 3 में काम करने के अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, "जब मैंने अपना 456 नंबर वाला ग्रीन कलर का ट्रैकसूट पहना और पहली बार सेट पर कदम रखा, तो उस दिन मुझे मिली-जुली फीलिंग्स आईं।

'धड़क 2' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड स्टार सिद्धांत चतुर्वेदी-तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। वर्ष 2018 में प्रदर्शित जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर की फिल्म धड़क को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब फिल्म धड़क का सीक्वल धड़क 2 जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। धड़क 2 की कहानी दो ऐसे प्यार करने वालों पर आधारित है, जिनके बीच सोशल स्टेटस की दीवार इतनी बड़ी होती है उनका अटूट प्यार भी उसे तोड़ नहीं पाता।

ट्रेलर की शुरुआत निलेश (सिद्धांत चतुर्वेदी) और विधि (तृप्ति डिमरी) से होती है, जिनकी मुलाकात कॉलेज में होती है। दोनों एक ही क्लास में होते हैं, दोस्ती से शुरू हुआ उनका ये रिश्ता प्यार में बदल जाता है।शुरुआत में सब ठीक होता है, लेकिन जैसे ही विधि के परिवार को निलेश के बारे में पता चलता है तो तूफान आ जाता है। ऊंचे जाति की निधि का छोटे जाति वाले लड़के के साथ होना उनके परिवार को रास नहीं आता है। वो लोग निलेश को मारते हैं उसकी और उनके परिवार को अपमानित करते हैं। उस पर कीचड़ उछालते हैं। परिवार पूरी कोशिश करता है कि विधि, निलेश से दूर हो जाए, लेकिन वह उसका साथ छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। धड़क 2 में तृप्ति डिमरी, सिद्धांत चतुर्वेदी, सौरभ सचदेव, मंजिरी पुपाला, विपिन शर्मा, दिशांक अरोड़ा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।शाजिया इकबाल निर्देशित यह फिल्म एक अगस्त को रिलीज होगी

सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी की

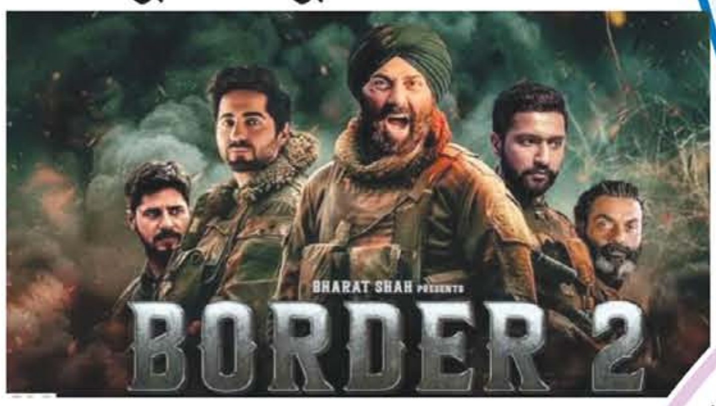

बॉलीवुड स्टार सनी देओल ने अपनी आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। जेपी दत्ता निर्देशित वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म बार्डर में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। अब फिल्म बॉर्डर का सीक्वल बनाया जा रहा है। फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन ,दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की अहम भूमिका होगी।सनी देओल ने बार्डर 2 की शूटिंग पूरी कर ली है।सनी देओल ने सोशल मीडिया पर फिल्म बार्डर 2 का दमदार फर्स्ट लुक शेयर किया है। सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म बार्डर से अपना लुक शेयर किया। सनी देओल ने कैप्शन में लिखा, "मिशन पूरा हुआ! फौजी, अलविदा! #बॉर्डर2 की मेरी शूटिंग पूरी हुई. जय हिंद!" फिल्म बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं,वहीं इस फिल्म को जेपी दत्ता, निधि दत्ता,भूषण कुमार और किशन कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं।यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

म्यूजिक वीडियो "क्या थी खबर" रिलीज

संगीतकार और निर्देशक राशिद खान का लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो "क्या थी खबर" को मुम्बई के कंट्री क्लब में भव्य रूप से लॉन्च किया गया। रमशा रिकॉड्र्स द्वारा प्रस्तुत इस गीत के संगीतकार राशिद खान,निर्माता एआरके चौधरी, सिंगर राज बर्मन और इशिता विश्वकर्मा एवं गीतकार वसीम राजुपुरी हैं। म्युज़िक वीडियो स्क्रीन पर दिखाया गया जिसे सभी ने बहुत पसन्द किया. संगीतकार और वीडियो के डायरेक्टर राशिद खान ने कहा कि "क्या थी खबर" को सिंगर राज बर्मन और इशिता विश्वकर्मा ने बड़ी खूबसूरती से गाया है। इसका वीडियो हमने कश्मीर की मनोरम लोकेशन पर शूट किया है। मैं निर्माता निर्देशक सुनील दर्शन, लेखक निर्देशक रूमी जाफरी सहित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करता हूं, जो इस गाने के लॉन्च पर आए।" प्रोड्यूसर डायरेक्टर सुनील दर्शन ने राशिद खान के संगीत और इसके वीडियो निर्देशन की प्रशंसा की और कहा कि गाना बहुत अच्छा है मेरी ओर से पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं।

लेखक निर्देशक रूमी जाफरी ने भी राशिद खान के गाने की तारीफ की। सिंगर राज बर्मन ने राशिद खान का शुक्रिया अदा किया और कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इतनी अच्छी कंपोजीशन को गाने का अवसर मिला। इसके लांच पर सुनील दर्शन और रूमी जाफरी जैसी हस्तियां उपस्थित रहीं, यह हम सब के लिए बड़ी बात है। यह गीत आपके दिलों को छू लेगा।

तकनीक और टैलेंट का भव्य संगम होगा कौशल ओलंपिक-2025

15 और 16 जुलाई को राजधानी लखनऊ में योगी सरकार की अनूठी पहल

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व युवा कौशल दिवस-2025 के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार 15 और 16 जुलाई को राजधानी लखनऊ में 'कौशल ओलिंपिक' का भव्य आयोजन करने जा रही है।

यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत आयोजित होगा। इसका उद्देश्य युवाओं के नवाचारों को मंच देना है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से किए गए टेक-बेस्ड कौशल नवाचारों को।

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। राज्य के सभी जनपदों में संचालित प्रशिक्षण केंद्रों से चयनित प्रशिक्षणार्थी इस ओलिंपिक में भाग लेंगे और अपने-अपने प्रोजेक्ट्स, मॉडल्स, ऐप्स या टेक सॉल्यूशन का प्रदर्शन करेंगे। इससे युवाओं को न केवल तकनीकी पहचान मिलेगी, बल्कि वे इंडस्ट्री के लिए तैयार वर्कफोर्स के रूप में भी उभर सकेंगे।

कौशल ओलंपिक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मशीन लर्निंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, हेल्थटेक, स्मार्ट एग्रो और डिजिटल डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों के नवाचारों की प्रदर्शनी होगी। प्रतियोगिता आधारित फॉर्मेट में विजेता नवाचारों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। उद्योग प्रतिनिधि, स्टार्टअप इनक्यूबेटर, निवेशक व शिक्षाविद् भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि यह आयोजन सिर्फ प्रदर्शनी नहीं बल्कि युवाओं को सशक्त करने का प्लेटफॉर्म है। जो युवा कभी बेरोजगार थे, वे अब AI-ट्रेंड स्किल्ड एंटरप्रेन्योर के रूप में नजर आएंगे। यह स्किल इंडिया मिशन को धरातल पर उतारने की एक सशक्त पहल है।

श्रीकृष्णा अपार्टमेंट की ग्रीन बेल्ट में ओपन जिम का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने नोएडा के सेक्टर-117 स्थित श्रीकृष्णा अपार्टमेंट की ग्रीन बेल्ट में ओपन जिम का उद्घाटन किया।

इस मौके पर बड़ी संख्या में सेक्टर के निवासी व फोनरवा के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा व अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व अध्यक्ष सोमेन्द्र यादव ने बताया कि इस ओपन जिम की मंजूरी व निर्माण के लिए उन्होंने और उनकी टीम ने लगातार प्रयास किए। स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य व फिटनेस को बढ़ावा देने में ओपन जिम अहम साबित होगा।

इस अवसर पर फोनरवा के महासचिव के.के. जैन, फोनरवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, राम किशन यादव (मंडल अध्यक्ष, भाजपा), शिव कुमार यादव (संयुक्त सचिव), आर.के. शर्मा, देवेंद्र शर्मा, मुदित शर्मा, प्रमोद गुप्ता, एस.के. श्रीवास्तव, अविनाश चंद्र, हेमंत सिंह, उग्रसेन विश्वकर्मा, चविनाथ महतो, अजय सिंह, हरि सिंह, चंद्रगुप्त मिश्रा, विनोद यादव, विजय यादव, गोविंद सानवाल, मयंक, अभिषेक, सचिन, नीरज यादव, अमित, सोमित यादव एवं प्रवीण समेत अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

नोएडा में गुम हुए 100 मोबाइल पुलिस ने ढूंढे

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर ने सर्विलांस के जरिए गुम हुए कीमती 100 स्मार्ट फोन ढूंढकर उन्हें उनके स्वामियों के हवाले कर दिया है। थाना फेस-2 पुलिस ने यह सभी गुम हुए स्मार्ट फोन बरामद किए हैं। इनमें से कई फोन भीड़भाड़ वाले इलाकों में, बाजार या ऑटो में गिर या कहीं छूट गए थे। इनमें कुछ मोबाइल ऐसे भी थे जो शराब के नशे में लोगों से गिर गए थे।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में तथा अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल नोएडा हृदेश कठेरिया के पर्यवेक्षण में सर्विलांस सैल सेन्ट्रल नोएडा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर व थाना फेस-2 नोएडा पुलिस के द्वारा लोगो के गुम हुए भिन्न-2 कम्पनियों के कीमती 100 स्मार्ट मोबाईल फोन को सर्विलांस के माध्यम से खोजे गए।

डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ढूंढे गए अधिकतर मोबाइल फोन भीड-भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, ऑटो, बसों, सुबह-शाम टहलते समय मोबाइल गिर गए थे जिसके बारे में सेंट्रल नोएडा जोन के थानों में गुमशुदगी दर्ज की गयी थी।

खोजे गये मोबाइलों में कुछ मोबाइल ऐसे हैं जो लोगों के यात्रा के दौरान मोबाइल ऑटो, टेक्सियो, बसो व मेट्रो ट्रेनो में छूट गये थे या बाइक चलाते समय ठीले-ठाले लोअर/पाजामो में रख लिये गये थे जो ब्रेकर आने पर जेंबो से निकल कर गिर गये थे। वहीं जो लोगों के ई-रिक्शा में यात्रा करते समय ब्रेकर आने पर गिर गये थे। उन्होंने बताया कि खोजे गये मोबाइलो में से कुछ मोबाइल ऐसे है जो लोगो के सार्वजनिक पार्को में खेलने के दौरान,व्यायाम करने के दौरान छूट गये थे । कुछ मोबाइल ऐसे है जो शादियों में बारात चढ़त के दौरान नृत्य करते समय गिरने व सार्वजनिक बारात घरो में कार्यक्रम होने के बाद छूट गये थे। इनमें कुछ मोबाइल ऐसे है जो शराब के नशे लोगों के गिर गये थे या कहीं छूट गये थे। खोजे गये मोबाइलो में से कुछ मोबाइल ऐसे है जो लोगो के बड़े-2 कार्यक्रमो में अत्यधिक भीड़-भाड़ होने के कारण कहीं छूट गये थे या गिर गये थे। इन सभी गुम हुए मोबाइलों को सर्विलांस के माध्यम से ढूंढकर इनके स्वामियों के हवाले कर दिया गया है।

नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह ने शनिवार को नोएडा के सेक्टर-44 में ओपन जिम का उद्घाटन किया एवं 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह वृक्षारोपण मात्र कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान को सजाने और भविष्य को बचाने का भी एक अभियान है।

एओए और आरडब्ल्यूए के चुनाव में लाखों का खेल, विधायक से की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन ने नोएडा में एओए और आरडब्ल्यूए के चुनाव में 2 से 5 लाख तक की डिमांड के मुददे को नोएडा के विधायक पंकज सिंह के सामने रखा है। फैडरेशन ने मांग की है कि ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। डीडी आरडब्ल्यू अध्यक्ष एनपी सिंह के आवास पर नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज के साथ बैठक की गई। जिसमें नोएडा शहर की प्रमुख समस्याओं के विषय में विधायक पंकज सिंह को अवगत कराया गया।

फेडरेशन के अध्यक्ष एनपी सिंह ने विधायक के सामने फ्रीहोल्ड का मुद्दा, डीडी आरडब्लूए फेडरेशन के लिए ऑफिस, अतिक्रमण और वेंडिंग जोन से होने वाली समस्या, डॉग पॉलिसी को सही से लागू करने, नो-कट जॉन होने के बाद भी शहर में होने वाली बिजली की समस्या निकालने, इंटरसिटी बस न होने के कारण शहर में थ्री व्हीलर और ऑटो से होने वाली समस्या तथा शहर के बड़े नालों को कवर करने का मुद्दा उठाया।

फेडरेशन के अध्यक्ष एनपी सिंह ने शहर में एओए और आरडब्ल्यूए के चुनाव में 2 लाख से 5 लाख तक की डिमांड करने वाले अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा निवासियों को धारा 10 के नोटिस देकर अवैध वसूली का धंधा चरम पर है। जिससे नोएडा शहर के निवासी परेशान है और विरोध कर रहे हैं।

बोड़ाकी मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब से प्रभावित किसानों को दें आबादी के भूखंड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बोडाकी में रेलवे की विशेष परियोजना मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए जमीन अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले किसानों के लिए आबादी के भूखंड देने की मांग की गयी है। साथ ही जब तक प्रभावित किसानों को सेक्टर विकसित करके जमीन का आवंटन न हो तब तक किसी तरह के सर्वे की भी रोक लगाने की मांग की गयी है।

मल्टीमॉडल ट्रास्पोर्ट हब बोडाकी के निर्माण से प्रभावित किसानों के हित के लिए एक संघर्ष समिति का गठन किया गया है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजीव भाटी एडवोकेट ने बताया कि ग्रामवासियों के पुर्नवास के लिए जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में कहा गया है कि गौतमबुद्धनगर के ग्राम बोडाकी में मल्टीमॉडल ट्रास्पोर्ट हब के लिए जमीन अधिग्रहण करने की प्रक्रिया चल रही है।

इसमें ग्रामवासियों की आबादी आ रही है जो मूल्यवान है। जिसमें ग्रागवासियों के मकान और आबादी भूखण्ड पुस्तैनी हैं। इसलिए ग्रामवासियो की आबादी भूखण्ड अधिग्रहण करने से पहले उनको अन्य स्थान पर विस्थापित करने के लिऐ रेल मंत्रालय व अधिग्रहण निकाय द्वारा विस्थापन पॉलिसी बनाई जाये क्योकि ग्रामवासियों की आवासीय भूमि मूल्यवान है और किसान अन्य स्थान पर कोई आवासीय भूखण्ड खरीद नहीं सकते क्योंकि आस-पास की आवासीय भूखण्ड कीमत अत्यधिक है

इसलिए ग्रामवासियो ने निर्णय लिया है उनके भूमि के बदले जमीन विस्थापित करके स्थान चिन्हित करते हुए उक्त भूमि पर बने हुए मकानों का बाजार दर पर जो मुआवजा दिया जाना प्रस्तावित है, उसको ग्रामवासियों को अवगत कराया जाये कि किस दर से मुआवजा दिया जाना प्रस्तावित है। जब तक उक्त दोनों मांगों पर अमल नहीं किया जायेगा तब तक गांव में पुरानी आबादियों का न तो सर्वे करने दिया जाए ।

समिति ने मांग की है कि ग्राम बोडाकी में बनने वाले टर्मिनल का नाम ग्रेटर नोएडा बोडाकी टर्मिनल ही रहना चाहिए। गांव में स्थित प्राचीन मंदिर को शिफ्टिंग करते समय उचित भू-भाग आंवटित किया जाये तथा प्रभावित किसानों के बच्चों को योग्यतानुसार नौकरी दी जाए।

इस अवसर पर मनोज भाटी (बोड़ाकी) पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन, मोहित भाटी लुहारली एड.,विनीत यादव एड. जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा,नीरज दुजाना एड. श्यामवीर नागर,बलराज भाटी, राजीव भाटी (बोडाकी) एड. अध्यक्ष एमएमटीएच संघर्ष समिति बोड़ाकी, विपिन भाटी बोड़ाकी एड.,व अन्य लोग उपस्थित थे।

स्टार्ट-अप देश के इकोसिस्टम को आगे बढ़ा रहा है : डॉ. असीम चौहान

एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर द्वारा "निवेशक पिच दिवस" का हुआ आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर द्वारा एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा परिसर में निवेशक पिच दिवस का आयोजन किया गया। 10 से अधिक स्टार्टअप्स, जिनमें लार्क - 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भारत का पहला एपीआई-प्रथम क्रेडिट इंफ्रास्ट्रक्चर लेयर, लिवोफ्टी - जीवनशैली संबंधी विकारों के लिए व्यक्तिगत एकीकृत उपचार प्रदान करने वाला एक पूर्ण स्टैक क्रोनिक केयर प्लेटफॉर्म, टॉर्चिट - किफायती नवीन सहायक तकनीकों के माध्यम से विकलांग लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक सामाजिक तकनीकी उद्यम, सिविया - एलएलएम के लिए एक एंटरप्राइज-ग्रेड सुरक्षा मस्तिष्क, प्रोफ्रिया - एक तकनीक-सक्षम प्लेटफॉर्म जो कम उपयोग वाले क्लीनिकों को प्रति उपयोग भुगतान वाले चिकित्सा कार्यस्थलों में परिवर्तित करने वाले

और कई अन्य स्टार्टअप्स ने निवेशकों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर बोलते हुए एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डॉ. असीम चौहान ने कहा कि अपने विचार प्रस्तुत करने वाले स्टार्ट-अप देश के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को आगे बढ़ा रहे हैं। भारत में असीमित अवसर हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ उद्यमी मौजूद हैं। एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर नवोदित उद्यमियों को उनके नवोन्मेषी विचारों को सफल उद्यमों में बदलने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु नई पहल कर रहा है।

एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर के सीईओ ओजस्वी बब्बर ने कहा कि एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर को इनक्यूबेटर प्रबंधन द्वारा विकसित और व्यवस्थित व्यावसायिक सहायता संसाधनों और सेवाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से उद्यमी कंपनियों के सफल विकास को गति देने के लिए डिजाइन किया गया है। एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर नवाचार को बढ़ावा देने और विकास एवं सफलता की ओर स्टार्टअप्स की यात्रा में उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

निवेशकों में आईएएन के उपाध्यक्ष (निवेश) अभिषेक कक्कड, थिंकुवेट के एमडी एडिसन अप्पू, कैकटस पार्टनर्स के सह संस्थापक अमित शर्मा, मांउट टेक के उपाध्यक्ष अनघ सिंह, वेंचर कैपिटल स्टार्टअप पार्टनरशिप्स गूगल के ग्लोबल हेड अपूर्व चमरिया, जीरोपर्ल के एमडी और संस्थापक बिपिन शाह कई अन्य शामिल थे। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के वेंचर कैपिटलिस्ट और सरकारी अधिकारी भी उपस्थित थे।